मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्ष: 9 अंक 45
शनिवार, 22 अगस्त 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

चीन की आंशिक हिस्सेदारी वाली कंपनियों से 4,895 करोड़ रुपये के 29 एफडीआई प्रस्ताव मिले

नयी दिल्ली, 21 अगस्त। चीन की 10 प्रतिशत तक हिस्सेदारी वाली विदेशी कंपनियों को मई में स्वचालित मार्ग से भारत में निवेश की अनुमति दिए जाने के बाद से अब तक करीब 4,895.65 करोड़ रुपये के 29 प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्रस्ताव सामने आए हैं। शुक्रवार को एक बयान में यह जानकारी दी गई। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने कहा कि 20 अगस्त, 2026 तक संशोधित व्यवस्था के तहत 29 एफडीआई निवेश की सूचना मिली है, जिनमें प्रस्तावित निवेश 4,895.65 करोड़ रुपये का है। मई से पहले ऐसी कंपनियों में भारत के साथ जमीन सीमा साझा करने वाले किसी देश के व्यक्ति या कंपनी की मामूली हिस्सेदारी होने पर भी भारत में निवेश के लिए सरकारी मंजूरी जरूरी थी।

संबंधित पक्षों की मांग के बाद सरकार ने मई में एफडीआई संबंधी नियमों में बदलाव किया था। संशोधित व्यवस्था के तहत 10 प्रतिशत तक चीन या हांगकांग की हिस्सेदारी वाली विदेशी कंपनियां उन क्षेत्रों में स्वचालित मार्ग से निवेश कर सकती हैं, जहां क्षेत्रवार शर्तों के अधीन इस मार्ग से एफडीआई की अनुमति है।

हालांकि, यह छूट चीन, हांगकांग या भारत के साथ जमीन सीमा साझा करने वाले अन्य देशों में पंजीकृत कंपनियों पर लागू नहीं है। भारत के साथ जमीन सीमा साझा करने वाले देशों में चीन, पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, म्यांमा और अफगानिस्तान शामिल हैं।

वित्त मंत्रालय ने इस संबंध में विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत नियमों में बदलाव की अधिसूचना एक मई, 2026 को जारी की थी।मंत्रालय ने बयान में कहा कि ये 29 निवेश प्रस्ताव सूचना प्रौद्योगिकी, कृत्रिम मेधा, सूचना एवं संचार, विनिर्माण, दवा, डेटा सेंटर और परिवहन सेवाओं समेत विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े हैं। निवेशकों या संबंधित इकाइयों का आधार मॉरीशस, अमेरिका, दक्षिण कोरिया, जापान, सिंगापुर, लक्जमबर्ग और केमैन आइलैंड्स समेत विभिन्न क्षेत्रों में है।

मंत्रालय ने कहा कि संशोधित व्यवस्था से ऐसे मामलों में पहले से सरकारी मंजूरी लेने की जरूरत खत्म होने से भारत में विदेशी निवेश का प्रवाह सुगम और तेज हुआ है।

इससे निवेशकों को अधिक निश्चितता मिली है, लेनदेन में लगने वाला समय कम हुआ है और कारोबारी सुगमता को बढ़ावा मिला है। मंत्रालय ने कहा कि 2026 के प्रेस नोट 2 और इसके बाद विदेशी मुद्रा प्रबंधन (गैर-ऋण साधन) नियम, 2019 में एक मई को अधिसूचित संशोधन के तहत लाभकारी स्वामित्व की जांच अब निवेशक इकाई के स्तर पर की जाती है। संबंधित जानकारी सरकार को देने के बाद निवेशक इकाई किसी अन्य मंजूरी के बिना स्वचालित मार्ग से निवेश कर सकती है।

अमित शाह का कांग्रेस पर हमला: 'वंदे मातरम' के पूरे गान से क्यों परहेज?

नई दिल्ली, 21 अगस्त। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस पार्टी की आलोचना की कि उसने आजादी के बाद राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' को पूरे दिल से नहीं अपनाया। 21 अगस्त को पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में एक कार्यक्रम में बोलते हुए, शाह ने 80वें स्वतंत्रता दिवस समारोह की तारीफ की, जिसमें लाल किले से 'वंदे मातरम' का पूरा गायन हुआ था। उन्होंने इस पल को अनोखा बताते हुए कहा कि 150 साल बाद और हमारी आजादी के 80वें साल में, देश और दुनिया ने लाल किले से 'वंदे मातरम' का पूरा गायन सुना।

शाह ने इस गीत के महत्व पर जोर देते हुए इसे बंकिम बाबू की एक अमर उत्कृष्ट रचना बताया, जिसने आजादी की लड़ाई को प्रेरित किया और आजाद भारत की सोच को आकार दिया। उन्होंने कहा कि इस एक गीत, इस एक साहित्यिक रचना

के जरिए उन्होंने यह स्थापित किया कि आजाद भारत को सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को अपनाकर आगे बढ़ना चाहिए। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आजादी और देश के बँटवारे के बाद भी 'वंदे मातरम' को कभी पूरे दिल से नहीं अपनाया गया। गृह मंत्री ने 'राष्ट्रीय सम्मान का अपमान निवारण (संशोधन) अधिनियम, 2026' को मजबूत करने के फैसले को ऐतिहासिक निर्णय भी बताया। यह कानून राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' में किसी भी तरह की बाधा डालने या उसका अपमान करने को अपराध बनाता है। उन्होंने कहा कि गृह मंत्रालय ने संसद में एक बिल पेश किया और 'वंदे मातरम' के पूरे गायन को सरकारी कार्यक्रमों का हिस्सा बनाने का फैसला किया; यह एक ऐतिहासिक निर्णय है। मेरा मानना है कि इससे यह सुनिश्चित होगा कि आने वाली पीढ़ियों हमारे बच्चों, किशोरों और युवाओं–तक बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय का अमर संदेश पहुँचेगा। ये बातें वंदे मातरम के गायन को लेकर कांग्रेस और बीजेपी के बीच चल रहे राजनीतिक विवाद के दौरान कही गई हैं।

कांग्रेस वर्किंग कमिटी ने हाल ही में 1937 के एक प्रस्ताव का हवाला देते हुए घोषणा की कि पार्टी के कार्यक्रमों में इस गीत के केवल शुरूआती दो पद ही गाए जाएंगे। 20 अगस्त को अमित शाह ने कांग्रेस पर तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया और कहा कि पार्टी के 1937 के फैसले ने उन हालात को बनाने में भूमिका निभाई, जिनकी वजह से भारत का विभाजन हुआ।

बेटे को आत्महत्या करने से रोकने की कोशिश में माता-पिता भी नीचे गिरे, तीनों की मौत

छत्रपति संभाजीनगर, 21 अगस्त। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में शुक्रवार अपराह्न मोबाइल फोन को लेकर घरेलू विवाद के बाद पहाड़ी से गिरकर एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि घटना अपराह्न में वालुज एमआईडीसी थाना क्षेत्र के तिसगांव इलाके में हुई। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान शहर के झाल्टा फाटा इलाके के निवासी मुरलीधर चांदगुड़े (48), उनकी पत्नी संगीता और उनके 19-वर्षीय बेटे कुणाल के रूप में हुई है।

अधिकारियों के अनुसार, घटनाक्रम की शुरूआत पूर्वाह्न करीब 10 बजे उस समय हुई, जब कुणाल नया मोबाइल फोन लेने की अपनी मांग को लेकर माता-पिता

से हुए विवाद के बाद नाराज होकर पहाड़ी पर चढ़ गया। उन्होंने बताया कि बेटे की सुरक्षा को लेकर चिंतित मुरलीधर और संगीता उसे समझाने एवं घर वापस लाने के लिए पहाड़ी की चोटी तक उसके पीछे गए। अधिकारियों ने बताया कि विवाद का पता चलने के बाद स्थानीय ग्रामीण, पुलिसकर्मी और अग्निशमन के अधिकारी बचाव अभियान में मदद के लिए मौके पर जमा हो गए।

अग्निशमन सेवा के कर्मचारियों ने पहाड़ी के नीचे एक सुरक्षा जाल बिछाने की कोशिश की, लेकिन कुणाल चट्टान के किनारे अपनी जगह बदलता रहा, जिससे सुरक्षाकर्मियों की कोशिशें नाकाम हो गईं। उन्होंने बताया कि अपराह्न करीब एक बजे जब मुरलीधर अपने बेटे को समझाने के लिए उसके करीब पहुंच गए, तब कुणाल पहाड़ी से कूद गया।

अधिकारी ने बताया कि मुरलीधर ने उसे बचाने की कोशिश की, जिससे दोनों का संतुलन बिगड़ गया और वे पहाड़ी की चोटी से नीचे गिर गए। उन्होंने बताया कि अपने पति और बेटे को मौत के करीब जाते देख संगीता ने भी कुछ ही पल बाद पहाड़ी से छलांग लगा दी। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने तीनों शव बरामद कर लिये और उन्हें पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

19 दिन में 53.69 लाख श्रद्धालु, 537 करोड़ की कमाई

सुरेश गांधी

वाराणसी। काशी में सावन केवल एक महीना नहीं, वह आस्था का ऐसा विराट उत्सव है जिसमें पूरा शहर शिवमय हो उठता है। गंगा के घाटों से लेकर मंदिर की चौखट तक और गलियों से लेकर बाजारों तक हर ओर एक ही स्वर सुनाई देता है–हर-हर महादेव। बाबा विश्वनाथ के दरबार में उमड़ रही श्रद्धालुओं की भीड़ ने इस बार आस्था के साथ काशी की बदलती आर्थिक तस्वीर को भी सामने ला दिया है।

सावन के 19 दिनों में 53 लाख 69 हजार 634 श्रद्धालु श्री काशी विश्वनाथ धाम पहुंचकर बाबा के दरबार में मत्था टेक चुके हैं। मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विश्व भूषण मिश्रा के अनुसार, श्रावण मास में अब तक तीन सोमवार बीत चुके हैं और प्रत्येक सोमवार करीब पांच से साढ़े पांच लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन-पूजन किया। यानी केवल तीन सोमवारी में ही 15 लाख से अधिक शिवभक्तों ने बाबा विश्वनाथ के दरबार में अपनी हाजिरी लगाई। यह आंकड़ा सिर्फ मंदिर की भीड़ का हिसाब नहीं है। इसके पीछे काशी की उन गलियों की कहानी भी छिपी है, जहां लाखों कदमों के साथ हजारों छोटे-बड़े कारोबारों को गति मिलती है। कोई प्रसाद खरीदता है, कोई फूल-माला, कोई पूजन सामग्री तो कोई बनारसी वस्त्र और काशी की स्मृति साथ लेकर लौटता है। कोई होटल में ठहरता है, कोई धर्मशाला में, कोई नाव की सवारी करता है तो कोई ई-रिक्शा और ऑटो से शहर के धार्मिक स्थलों तक पहुंचता है। अर्थात बाबा के दरबार में पहुंचने वाला हर श्रद्धालु अपने साथ केवल आस्था नहीं लाता, बल्कि काशी के आर्थिक जीवन में भी कुछ न कुछ जोड़कर जाता है। 53.69 लाख श्रद्धालुओं की यह संख्या काशी के

आस्था का सैलाब, काशी में करोड़ों का कारोबार

धार्मिक पर्यटन की बढ़ती ताकत का संकेत भी है। मंदिर के आसपास के बाजारों से लेकर घाटों और प्रमुख पर्यटन स्थलों तक इसका असर दिखाई देता है। फूल-माला और पूजन सामग्री बेचने वाले छोटे दुकानदार हों या होटल-धर्मशाला संचालक, भोजनालय हों या स्थानीय परिवहन से जुड़े लोग–सावन की भीड़ इनके कारोबार को नई गति देती है। एक श्रद्धालु काशी पहुंचता है तो उसके खर्च का असर एक ही जगह नहीं रुकता। रहने से लेकर खाने तक, मंदिर जाने से लेकर घाट घूमने तक और प्रसाद खरीदने से लेकर स्मृति-चिह्न साथ ले जाने तक उसका खर्च कई आर्थिक गतिविधियों को जोड़ता है। यही वजह है कि धार्मिक पर्यटन अब काशी की अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण आधार बनता जा रहा है। बाबा विश्वनाथ के दरबार में श्रद्धालुओं द्वारा किया जाने वाला दान और चढ़ावा मंदिर की धार्मिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है। लेकिन लाखों श्रद्धालुओं के आने से पैदा होने वाली आर्थिक गतिविधि मंदिर के चढ़ावे से कहीं व्यापक होती है। मंदिर में कितना चढ़ावा आया, इसका आधिकारिक आंकड़ा अलग विषय है। वहीं श्रद्धालुओं द्वारा शहर में किया गया खर्च स्थानीय अर्थव्यवस्था में अलग प्रभाव पैदा करता है। इसलिए इन दोनों को एक ही मान लेना सही नहीं होगा। सावन में होटल, धर्मशाला, परिवहन, भोजनालय, फूल-माला, प्रसाद, पूजन सामग्री, नाव संचालन और स्थानीय बाजारों में बढ़ती मांग इस व्यापक आर्थिक प्रभाव की तस्वीर पेश करती है। 19 दिनों में 53,69,634 श्रद्धालु काशी पहुंचे। यदि केवल अनुमान के लिए प्रति श्रद्धालु औसतन 1,000 का खर्च मान लिया जाए, तो कुल संभावित खर्च करीब 537 करोड़ बैठता है।

बेंगलुरु में कार से 9 करोड़ कैश जब्त, आयकर विभाग ने एक को हिरासत में लिया

बेंगलुरु। बेंगलुरु पुलिस ने इनकम टैक्स अधिकारियों के साथ मिलकर एक संयुक्त अभियान में नौ करोड़ रुपये कैश जब्त किया। यह कैश एक कार में बेंगलुरु से तमिलनाडु के होसुर ले जाया जा रहा था। इस सिलसिले में सचिन नाम के एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने बताया कि बेंगलुरु में इनकम टैक्स यूनिट-22 के डिप्टी डायरेक्टर जगदीश से मिली जानकारी पर कार्रवाई करते हुए, पुलिस ने 18 अगस्त की रात करीब 10:30 बजे होसुर रोड पर टोल के ठीक बाद एक सिग्नल पर गाड़ी को रोका। गाड़ी को पुलिस स्टेशन लाया गया और उसमें सवार दो लोगों के साथ इनकम टैक्स अधिकारियों को सौंप दिया गया। पुलिस के अनुसार, गाड़ी की तलाशी लेने पर अंदर छिपाकर रखा गया नौ करोड़ रुपये कैश मिला। हिरासत में लिए गए लोगों में से एक की पहचान सचिन के तौर पर हुई है, जो तमिलनाडु के थूथुकुडी स्थित सिंधु ज्वैलर्स से जुड़ा है।

यमन-सोमालिया के पास दो जहाज अगवा, 22 भारतीय थे सवार

नई दिल्ली, 21 अगस्त। यमन और सोमालिया के तट के पास अलग-अलग घटनाओं में सशस्त्र समुद्री डाकुओं ने दो वाणिज्यिक पोत का अपहरण कर लिया। इन पोत पर कुल 22 भारतीय नागरिक सवार हैं। पोत परिवहन मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि ताजा जानकारी के अनुसार, दोनों पोत पर सवार भारतीय चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं। उन्होंने बताया कि सशस्त्र समुद्री डाकुओं ने 20 अगस्त को इरिट्रिया के ध्वज वाले तेल उत्पाद टैंकर 'एम टी सिबू 1' का अदन की खाड़ी में यमन के तट से करीब 30 समुद्री मील दूर अपहरण कर लिया। उन्होंने बताया कि पोत पर सवार चालक दल के 20 सदस्यों में 16 भारतीय और सीरिया, सूडान एवं इराक का एक-एक नागरिक शामिल है, जबकि एक अन्य नाविक की राष्ट्रीयता की अभी पुष्टि नहीं हुई है।कैमरून के ध्वज वाले एक अन्य पोत 'एम/वी लुतुफ' का 17 अगस्त को सोमालिया के पुंटलैंड तट के पास अपहरण कर लिया गया। इस पोत के चालक दल के 10 सदस्यों में छह भारतीय हैं। 'फॉरवर्ड सीमेन्स यूनियन ऑफ इंडिया' (एफएसयूआई) ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में "ईरान युद्ध के बीच भारतीय नाविकों के सामने मौजूद खतरों" को लेकर चिंता जताई। संगठन ने एक वीडियो जारी कर दावा किया कि यह वीडियो "21 भारतीयों समेत चालक दल के 22 सदस्यों वाले एक पोत के अपहरण" का है और यह घटना 22 अप्रैल को होर्मुज जलडमरूमध्य में हुई थी। यह वीडियो शुक्रवार को पोस्ट किया गया। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि एफएसयूआई किसी अलग अपहरण की घटना का उल्लेख कर रहा था या हाल में हुई इन घटनाओं का।

पोत परिवहन मंत्रालय के अधिकारी ने कहा, "भर्ती एवं नियुक्ति सेवा लाइसेंस (आरपीएसएल) एजेंसी 'एस के एस कृषि मरीन सर्विसेज (ओपीसी) प्राइवेट लिमिटेड' से मिली जानकारी के अनुसार, छह सशस्त्र समुद्री डाकू फिलहाल 'एम टी सिबू 1' पर सवार हैं और उन्होंने पोत को अपने नियंत्रण में ले लिया है।" अधिकारी ने बताया कि आरपीएसएल एजेंसी को घटना की रिपोर्ट और उसके बाद समय-समय पर मिलने वाली जानकारी 'ई-नाविक' ऑनलाइन समुद्री दुर्घटना रिपोर्टिंग प्रणाली के माध्यम से जमा करने को कहा गया है।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तियों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध

कश्मीर पर अमेरिकी सुर बदले: भारत का कद बढ़ा, पाक बेचैन

-ललित गर्ग

अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर का 19 अगस्त 2026 को श्रीनगर में दिया गया यह बयान कि जम्मू-कश्मीर भारत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, सामान्य कूटनीतिक टिप्पणी मानकर नजरअंदाज करने योग्य नहीं है। यह ऐसे समय आया है जब कश्मीर को लेकर भारत और पाकिस्तान की धारणाओं के बीच अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार नए समीकरण बन रहे हैं। गोर ने जम्मू-कश्मीर की निरन्तर सुधर रही सुरक्षा स्थिति की बात कही और अमेरिकी यात्रा संबंधी परामर्श पर पुनर्विचार के संकेत भी दिए। पाकिस्तान ने इस बयान पर अमेरिका के शीर्ष राजनयिक को तलब कर तीखा विरोध दर्ज कराया। इस पूरे घटनाक्रम को केवल कश्मीर के संदर्भ में देखना पर्याप्त नहीं होगा। इसे भारत-अमेरिका संबंधों में आ रहे व्यापक परिवर्तन, दक्षिण एशिया की बदलती सामरिक संरचना और पाकिस्तान की घटती कूटनीतिक प्रभावशीलता के संदर्भ में समझना अधिक उचित होगा।

अमेरिका की कश्मीर नीति में लंबे समय से एक प्रकार की सावधानी रही है। वाशिंगटन सामान्यतः भारत और पाकिस्तान के बीच संवाद तथा शांतिपूर्ण समाधान की बात करता रहा है। अमेरिकी विदेश विभाग की पूर्व घोषित नीति भी जम्मू-कश्मीर में सामान्य स्थिति और राजनीतिक-आर्थिक स्थिरता की वापसी का समर्थन करती रही है। इसलिए गोर का श्रीनगर में जाकर जम्मू-कश्मीर को भारत का महत्वपूर्ण हिस्सा कहना निश्चित रूप से भाषा के स्तर पर एक उल्लेखनीय परिवर्तन है। लेकिन इसे अमेरिका की पूरी कश्मीर नीति में तत्काल और औपचारिक परिवर्तन मानना भी जल्दबाजी होगी। किसी राजदूत का बयान और किसी सरकार की औपचारिक नीति में अंतर होता है। फिर भी कूटनीति में शब्दों का अपना महत्व होता है। विशेष रूप से तब, जब वही शब्द उस भूभाग में बोले जाएं जिसे पाकिस्तान दशकों से अंतरराष्ट्रीय विवाद के रूप में प्रस्तुत करता रहा है। इस दृष्टि से गोर का बयान भारत के लिए मनोवैज्ञानिक और कूटनीतिक दोनों स्तरों पर महत्वपूर्ण है।

इस बयान का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष जम्मू-कश्मीर की बदलती जमीन से जुड़ा है। गोर ने सुरक्षा व्यवस्था में सुधार का उल्लेख करते हुए यात्रा संबंधी अमेरिकी परामर्श में कमी लाने की संभावना जताई है। इसका अर्थ यह है कि वाशिंगटन अब कश्मीर को केवल सुरक्षा संकट या आतंकवाद की दृष्टि से देखने के बजाय पर्यटन, आर्थिक गतिविधियों और सामान्य जनजीवन की संभावनाओं वाले क्षेत्र के रूप में भी देख रहा है। यहीं से भारत-अमेरिका संबंधों की नई रोशनी दिखाई देती है। दोनों देशों के संबंध अब केवल व्यापार या रक्षा तक सीमित नहीं हैं। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव, समुद्री सुरक्षा, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, आपूर्ति-श्रृंखला और वैश्विक शक्ति-संतुलन जैसे विषयों ने भारत को अमेरिका के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बना दिया है। हालांकि दोनों देशों के बीच व्यापार और शुल्क जैसे मुद्दों पर मतभेद भी मौजूद हैं, फिर भी व्यापक सामरिक साझेदारी अपनी उपयोगिता बनाए हुए है। हाल में अमेरिकी विदेश मंत्री की भारत यात्रा का उद्देश्य भी तनावों के बीच संबंधों को सुदृढ़ करना और व्यापार तथा ऊर्जा सहयोग को आगे बढ़ाना था।

इसलिए कश्मीर पर अमेरिकी भाषा को भारत-अमेरिका संबंधों के व्यापक पुनसंर्तुलन का हिस्सा मानना अधिक तार्किक होगा। अमेरिका के लिए भारत अब केवल दक्षिण एशिया का एक बड़ा देश नहीं, बल्कि एशिया में शक्ति-संतुलन का प्रमुख आधार है। भारत के लिए भी अमेरिका महत्वपूर्ण है, लेकिन भारत ने अपनी विदेश नीति को किसी एक शक्ति के साथ पूर्ण निर्भरता के बजाय रणनीतिक स्वायत्तता पर आधारित रखा है। यही कारण है कि भारत अमेरिका के साथ साझेदारी बढ़ाते हुए रूस, यूरोप, पश्चिम एशिया और अन्य शक्तियों के साथ भी अपने संबंध बनाए रखता है। कश्मीर के संदर्भ में यह घटनाक्रम पाकिस्तान के लिए निश्चित रूप से असहज करने वाला है। इस्लामाबाद ने गोर के बयान को अस्वीकार करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर एक विवादित क्षेत्र है और उसका अंतिम निर्धारण होना बाकी है। पाकिस्तान ने इसे अमेरिका की पूर्व स्थिति से विचलन बताते हुए औपचारिक विरोध दर्ज कराया।

पाकिस्तान की समस्या यह है कि वह कश्मीर को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी विदेश नीति का केंद्रीय विषय बनाए रखना चाहता है, जबकि विश्व राजनीति की प्राथमिकताएं तेजी से बदल रही हैं। आतंकवाद, आर्थिक स्थिरता, चीन का बढ़ता प्रभाव, पश्चिम एशिया का संकट, समुद्री सुरक्षा और वैश्विक आपूर्ति-श्रृंखलाएं आज बड़ी शक्तियों की चिंता के केंद्र में हैं। ऐसे वातावरण में केवल कश्मीर के प्रश्न को बार-बार अंतरराष्ट्रीयकरण करने की पाकिस्तानी कोशिशों की प्रभावशीलता सीमित होती जा रही है। भारत ने दूसरी ओर लगातार यह रेखांकित किया है कि जम्मू-कश्मीर से जुड़े विषय भारत की संप्रभुता और द्विपक्षीय संबंधों के दायरे में आते हैं। गोर का श्रीनगर दौरा स्वयं इस दृष्टि से महत्वपूर्ण है कि एक प्रमुख अमेरिकी राजनयिक ने जम्मू-कश्मीर की यात्रा की, वहां के निर्वाचित नेतृत्व से मुलाकात की और क्षेत्र की सुरक्षा तथा आर्थिक संभावनाओं पर सकारात्मक टिप्पणी की। यह पाकिस्तान की उस कोशिश के विपरीत है जिसमें वह कश्मीर को केवल विवाद और अस्थिरता के चश्मे से प्रस्तुत करना चाहता है। फिर भी भारत को इस बयान से अत्यधिक उत्साहित होकर यह मान लेने से बचना चाहिए कि अमेरिका ने कश्मीर पर अपनी संपूर्ण नीति बदल दी है। अमेरिका की विदेश नीति परिस्थितियों के अनुसार बदलती रहती है और वह भारत तथा पाकिस्तान दोनों के साथ अपने हितों को संतुलित करने की कोशिश करता है। आज भी वाशिंगटन के लिए पाकिस्तान आतंकवाद-रोध, क्षेत्रीय सुरक्षा और अफगानिस्तान सहित कुछ विषयों में उपयोगी साझेदार है। अतः भारत के लिए इस बयान का वास्तविक महत्व किसी औपचारिक अमेरिकी नीति-परिवर्तन से अधिक उस कूटनीतिक वातावरण में है, जिसमें भारत की स्थिति को पहले की तुलना में अधिक गंभीरता से लिया जा रहा है। यहां एक और महत्वपूर्ण बात है। कूटनीति में किसी देश का महत्व केवल इस बात से तय नहीं होता कि कितने देश उसके पक्ष में बयान दे रहे हैं, बल्कि इससे तय होता है कि वैश्विक शक्तियों के हित उसके साथ कितने गहरे जुड़े हैं। आज भारत की आर्थिक क्षमता, विशाल बाजार, तकनीकी सामर्थ्य, लोकतांत्रिक संस्थाएं, युवा शक्ति और सामरिक स्थिति उसे विश्व व्यवस्था का महत्वपूर्ण स्तंभ बनाती हैं। इसी बदलती वास्तविकता का प्रभाव कश्मीर पर भी दिखाई देना स्वाभाविक है।

गोर का बयान इसलिए भारत के लिए एक उपलब्धि से अधिक एक संकेत है-संकेत इस बात का कि जम्मू-कश्मीर को लेकर अंतरराष्ट्रीय विमर्श धीरे-धीरे बदल रहा है। पाकिस्तान के लिए यह चेतावनी है कि केवल पुराने नारों और कूटनीतिक दबाव से वह कश्मीर को विश्व राजनीति के केंद्र में नहीं रख सकता और अमेरिका के लिए यह उसके बदलते हितों के अनुरूप संतुलन साधने की कोशिश है। अंततः कश्मीर की स्थायी शांति केवल अंतरराष्ट्रीय बयानों से नहीं, बल्कि लोकतंत्र, विकास, सुरक्षा, जनभागीदारी और सीमा-पार आतंकवाद के अंत से सुनिश्चित होगी। भारत को इस नए कूटनीतिक वातावरण का उपयोग आक्रामक प्रचार के बजाय जिम्मेदार और आत्मविश्वासी राष्ट्र की तरह करना चाहिए। सर्जियो गोर का बयान इस बदलती तस्वीर की एक महत्वपूर्ण झलक है-जहां कश्मीर को लेकर भारत की स्थिति पहले की अपेक्षा अधिक स्पष्ट अंतरराष्ट्रीय स्वीकार्यता प्राप्त करती दिखाई दे रही है और पाकिस्तान की कूटनीतिक चुनौती पहले से अधिक कठिन होती जा रही है।

सियासी चौराहे पर अखिलेश का 'PDA' प्रयोग

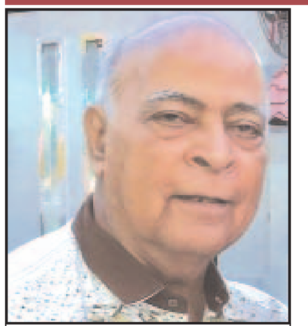

अशोक भाटिया

उत्तर प्रदेश की राजनीति हमेशा से नए नारों, अनूठे सामाजिक गठबंधनों और चौंकाने वाले वैचारिक मोड़ों के लिए जानी जाती रही है। इसी सिलसिले को आगे बढ़ाते हुए समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने एक बार फिर अपने चर्चित राजनीतिक सूत्र 'PDA' की एक नई और भावनात्मक व्याख्या पेश की है। अगस्त 2026 के इस सियासी माहौल में, जब सभी दल भविष्य की रणनीतियों को धार देने में जुटे हैं, अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया के माध्यम से घोषणा की कि PDA का असली और मूल भावनात्मक सिद्धांत दरअसल प्रेम, दया और अपनापन है। भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए उन्होंने तर्क दिया कि सत्ताधारी दल में पिछड़ों, दलितों और अल्पसंख्यकों को स्थान तो मिल सकता है, लेकिन सच्चा सम्मान नहीं मिल सकता, क्योंकि वहाँ इस भावनात्मक जुड़ाव की कमी है।

यह पहली बार नहीं है जब अखिलेश यादव ने अपने इस प्रिय नारे की री-ब्रांडिंग की है? अभी कुछ ही दिनों पहले, समाजवादी विचारक जनेश्वर मिश्र की जयंती के अवसर पर उन्होंने राजनीति के पंडितों को चौंकाते हुए कहा था कि PDA में 'PD' का एक अर्थ 'पंडित' भी है। उस समय उन्होंने 'P' से पीड़ित और पंडित, 'D' से दलित और 'A' से आधी आबादी (महिलाएं) तथा 'अच्छे अगड़े' को जोड़कर एक नया 'पंडित फॉमूर्ला' या 'ब्राह्मण कार्ड' खेलने का प्रयास किया था। राजनीति के एक बेहद सधे हुए और आक्रामक नारे को अचानक इस तरह के भावनात्मक और सर्ववर्ण-समावेशी आवरण में लपेटने की यह कोशिश सहज नहीं दिखती। यह बदलाव उत्तर प्रदेश की राजनीति में समाजवादी पार्टी के भीतर चल रहे गहरे वैचारिक मंथन और साथ ही एक बड़ी रणनीतिक बेचैनी को भी रेखांकित करता है।

इस पूरे घटनाक्रम को समझने के लिए हमें उस मूल राजनीतिक संदर्भ को याद करना होगा जहाँ से ढउ्अ का जन्म हुआ था। साल 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान अखिलेश यादव ने 'पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक' के तौर पर ढउ्अ का नारा उछाला था। यह नारा विशुद्ध रूप से जातिगत और धार्मिक पहचान पर आधारित एक ठोस सामाजिक ब्लॉक बनाने की कोशिश थी। इसने सपा के पारंपरिक यादव-मुस्लिम (Y-M) समीकरण का दायरा बढ़ाकर गैर-यादव पिछड़ी जातियों को एक मंच पर लाने का काम किया था। लेकिन राजनीति कभी एक जगह ठहरती नहीं है। 2024 की सफलता के बाद जैसे ही पार्टी आगामी राजनीतिक चुनौतियों की ओर बढ़ी, अखिलेश यादव को शायद इस बात का अहसास हुआ कि सिर्फ जातिगत ध्रुवीकरण के सहारे सत्ता तक नहीं पहुँचा जा सकता।

इसके विपरीत, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राजनीति हमेशा से जातियों के विभाजन से ऊपर उठकर 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मूल मंत्र पर आधारित रही है। भाजपा ने बिना किसी भेदभाव के हर जाति, वर्ग और संप्रदाय को मुख्यधारा से जोड़ा है। उज्ज्वला योजना, राशन वितरण, पीएम आवास योजना और आयुष्मान भारत जैसे लोक-कल्याणकारी कार्यक्रमों का लाभ बिना किसी जातिगत चश्मे के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुँचा है। यही कारण है कि अखिलेश यादव को अब अपनी केवल 'पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक' वाली संकीर्ण छवि से बाहर निकलने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है और वे भाजपा की इसी सर्वसमावेशी विकास नीति की नकल करने का प्रयास कर रहे हैं।

राजनीतिक नजरिए से देखें तो अखिलेश यादव का यह नया प्रयोग एक गंभीर वैचारिक अंतर्विरोध और राजनीतिक अवसरवाद को जन्म देता है। समाजवादी पार्टी पिछले लंबे समय से उत्तर प्रदेश से लेकर दिल्ली तक 'जाति जनगणना' और 'जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी' के मुद्दे पर सबसे मुखर रही है। जाति जनगणना की मांग पूरी तरह से समाज को टुकड़ों में बांटने और सामाजिक विद्वेष फैलाने की राजनीति पर टिकी है। यह मांग मानती है कि समाज में संसाधनों और सत्ता का बंटवारा जातियों की आबादी के अनुपात में होना चाहिए, जो सीधे तौर पर समाज के एक बड़े वर्ग को अलग-थलग करने की कोशिश है।

हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
मार्गदर्शन

लेकिन, जब अखिलेश यादव अचानक इसी नारे को 'प्रेम, दया और अपनापन' जैसे बेहद भावुक शब्दों से परिभाषित करने लगते हैं, तो उनकी वैचारिक दुविधा साफ उजागर हो जाती है। सवाल यह उठता है कि जो पार्टी हर मंच पर खड़े होकर समाज को जातियों में बांटने और आंकड़ों की बात करती है, वह अचानक 'दया और अपनत्व' का स्वांग कैसे रच सकती है? क्या शोषित और पिछड़े वर्गों को केवल चुनाव के समय याद किया जाता है और बाद में सवर्णों को रिझाने के लिए परिभाषा बदल दी जाती है? यह विरोधाभास इसलिए भी गहरा है क्योंकि 'दया' हमेशा मजबूत व्यक्ति कमजोर पर दिखाता है। जब अखिलेश यादव 'ऊं का मतलब 'दया' बताते हैं, तो वे अनजाने में ही दलितों और पिछड़ों को हकदार के बजाय 'दया का पात्र' बना देते हैं। एक तरफ जाति जनगणना के जरिए समाज में लकीर खींचना और दूसरी तरफ 'प्रेम और अपनत्व' के जरिए उसी लकीर को मिटाने का नाटक करना—सपा की रणनीति की इसी खोखली वैचारिक बुनियाद को दिखाता है।

इसीलिए अखिलेश यादव जब ढउ्अ को 'प्रेम, दया और अपनापन' का नया आवरण देते हैं, तो उनका सामना उत्तर प्रदेश की जनता की यादों में दर्ज समाजवादी पार्टी के पुराने शासनकाल से होता है। राजनीतिक विश्लेषक और आम जनता इस बात को भूली नहीं है कि सपा सरकार के दौरान राज्य की कानून-व्यवस्था किस कदर चरमरा गई थी। उस दौर में 'जिसकी लाठी उसकी भैंस' का मुहावरा चरितार्थ होता था, जहाँ संगठित अपराध, जमीनों पर कब्जे और दंगों का एक ऐसा माहौल था जिसने व्यापारियों, महिलाओं और आम नागरिकों को असुरक्षित महसूस कराया।

इसके विपरीत, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी ने उत्तर प्रदेश को 'दंगा मुक्त' और सुरक्षित राज्य बनाकर एक नजीर पेश की है। भाजपा शासन ने अपराधियों और माफियाओं के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाई, जिसने राज्य में कानून का इकबाल बुलंद किया। आज उत्तर प्रदेश की महिलाएं रात में भी बेखौफ बाहर निकल सकती हैं, और उद्योगपति बिना किसी रंगदारी के डर के निवेश कर रहे हैं। ऐसे में, अखिलेश यादव का 'प्रेम और अपनापन' का यह नया नैरेटिव दरअसल सपा की उस पुरानी 'दबंगई और तुष्टिकरण' वाली छवि को धोने की एक हताश कोशिश नजर आता है। जनता यह बखूबी समझती है कि कानून-व्यवस्था केवल मीठे शब्दों से नहीं, बल्कि एक मजबूत और दृढ़ इच्छाशक्ति वाली सरकार के प्रशासनिक हंटर से सुधरती है, जो फिलहाल भाजपा के पास है।

इस वैचारिक भटकाव के पीछे समाजवादी पार्टी की कुछ व्यावहारिक मजबूरियां भी साफ नजर आती हैं। उत्तर प्रदेश में मायावती की बहुजन समाज पार्टी लगातार कमजोर हो रही है, जिससे दलित मतों का एक बड़ा हिस्सा राजनीतिक ठिकाने की तलाश में है। अखिलेश यादव इस बड़े वर्ग को यह संदेश देना चाहते हैं कि समाजवादी पार्टी अब केवल एक या दो जातियों की पार्टी नहीं है, बल्कि यहाँ उन्हें 'अपनापन' और सम्मान मिलेगा। इसके साथ ही, भाजपा के उग्र राष्ट्रवाद, सांस्कृतिक पुनरुत्थान (जैसे भव्य राम मंदिर और काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का निर्माण) और मजबूत कानून-व्यवस्था के एजेंडे की काट ढूंढना सपा के लिए असंभव साबित हो रहा है। भाजपा ने उत्तर प्रदेश को 'दंगा मुक्त' और सुरक्षित राज्य बनाया है, जिससे व्यापारी, महिलाएं और युवा खुद को सुरक्षित महसूस करते हैं।

इस मजबूत प्रशासनिक छवि की काट के लिए सपा को एक ऐसा नैरेटिव चाहिए था जो बहुसंख्यक समाज (जिसमें सवर्ण भी शामिल हैं) को डराए या दूर न करे। 'प्रेम, दया और अपनापन' के जरिए अखिलेश दरअसल भाजपा के उस विकासवादी और सांस्कृतिक नैरेटिव को कुंद करना चाहते हैं जो विपक्षी गठबंधन को जातिवादी या तुष्टिकरण करने वाला बताता है। वे कांग्रेस की राष्ट्रीय स्तर पर चल रही 'मोहब्बत की दुकान' वाली फ्लॉप राजनीति की तर्ज पर प्रादेशिक स्तर पर अपनी एक खोखली वैचारिक लाइन खींचना चाहते हैं। अखिलेश यादव का यह 'ढउ्अ रूपी प्रयोग' राजनीति में कितना सफल होगा, यह तो समय ही बताएगा। भारतीय मतदाता बेहद समझदार है, वह नारों के पीछे छिपी असली मंशा और जमीन पर पार्टी के कार्यकताओं के पुराने व्यवहार को बहुत बारीकी से देखता है। यदि समाजवादी पार्टी का जमीनी कैडर अब भी पुरानी सोच, जातिवाद और दबंगई की राजनीति से बाहर नहीं निकल पाया है, तो नेतृत्व द्वारा दी गई 'प्रेम, दया और अपनापन' की यह नई परिभाषा केवल कागजी और सोशल मीडिया की पोस्ट बनकर रह जाएगी।

इसके विपरीत, भाजपा का मजबूत संगठन, राष्ट्रवाद के प्रति प्रतिबद्धता और जमीन पर काम करने वाले अनुशासित कार्यकर्ता जनता के बीच अटूट विश्वास बनाए हुए हैं। इस तरह बार-बार अपनी ही मूल परिभाषा को बदलने से सपा के मुख्य कैडर—पिछड़ों और दलितों—के बीच भी एक अविश्वास का संदेश जा रहा है। उन्हें लग रहा है कि उनके अधिकारों की लड़ाई को केवल सत्ता पाने के लिए और अन्य वर्गों को साधने के लिए हल्का किया जा रहा है। राजनीति में अवसरवाद की एक सीमा होती है। अखिलेश यादव इस समय उसी अवसरवाद के जाल में उलझ चुके हैं, जहाँ एक तरफ समाज को बांटने वाली जाति जनगणना की मांग है और दूसरी तरफ भाजपा की तरह सर्वसमावेशी बनने का खोखला दिखावा। जनता इस अंतर को बहुत अच्छे से समझती है, और आगामी चुनावों में वह इस वैचारिक विरोधाभास का सटीक जवाब देगी।

गूगल गुरु हो गए, घर-मोहल्ले के बुजुर्गों के अनुभव से परहेज

मोहल्ले के नुक्कड़ पर बिछी वह लकड़ी की बेंच आज भी वहीं है, लेकिन उस पर बैठने वाले खादी के कुर्ते और सफेद धोती वाले वे बाबा अब कहीं दिखाई नहीं देते। वे बुजुर्ग, जिनकी आंखें पूरे मोहल्ले के लिए पहरेदार का काम करती थीं, आज आधुनिकता की चकाचौंध में कहीं खो गए हैं। दोपहर की चिलचिलाती धूप में जब मां-बाप घर के भीतर सो रहे होते थे, तब यही बुजुर्ग गली के मोड़ पर बैठकर हर आते-जाते बच्चे पर अपनी पैनी नजर रखते थे। किसी बच्चे का हाथ साइकिल के पैडल से फिसला नहीं कि उनकी तरफ से एक चीख गूंज उठती थी, संभलकर चल। स्कूल बंक करके कंचे खेलने वाले या किसी बाग से अमरूद चुराने वाले बच्चों के लिए वे साक्षात यमराज की तरह प्रकट हो जाते थे। गलती देखते ही वहीं डांट लगाना, कान उमठना और फिर शाम को सीधे उस बच्चे के घर पहुंचकर उसके मां-बाप को आगाह करना उनकी दिनचर्या का एक अनिवार्य हिस्सा था। वे इसे अपना अधिकार और सबसे बड़ी सामाजिक जिम्मेदारी मानते थे। सबसे खूबसूरत बात यह थी कि जब वे घर पर शिकायत लेकर पहुंचते थे, तो कोई मां-बाप उनसे लड़ता नहीं था। समाज में एक अटूट विश्वास था कि अगर मोहल्ले के किसी बुजुर्ग ने बच्चे को टोका है, तो वह बच्चे के भले के लिए ही होगा। मां-बाप उनकी बातों को पूरे सम्मान के साथ सुनते, उनका आभार जताते और फिर अपने बच्चे को समझाते-बुझाते थे। पूरा मोहल्ला एक संयुक्त परिवार की तरह सांस लेता था, जहां हर बच्चा पूरे मोहल्ले का बच्चा होता था। लेकिन आज समय का पहिया ऐसा घूमा कि मोहल्ले तो दूर, खुद घर के भीतर भी बच्चों को कुछ समझाने या टोकने की हिमाकत कोई नहीं कर पाता। आधुनिकता के नाम पर हमने जिस नई दुनिया का निर्माण किया है, उसने हमारे रहने के ढंग के साथ-साथ हमारी सोच को भी पूरी तरह बदल दिया है। पुराने आत्मीय मोहल्लों का स्वरूप अब तेजी से सिकुड़ रहा है और उनकी जगह चमचमाती कंक्रीट की कॉलोनियों और गगनचुंबी अपार्टमेंट्स ने ले ली है। इन बड़े-बड़े अपार्टमेंट्स के बंद फ्लैटों में लोग खुद को कैद कर चुके हैं। आज की स्थिति यह है कि एक ही मंजिल पर रहने वाला पड़ोसी सालों-साल दूसरे पड़ोसी का नाम तक नहीं जानता। हर घर के दरवाजे पर एक अदृश्य बोर्ड टंगा है, जिस पर लिखा है कि कृपया हमारे निजी जीवन में दखल न दें। इस तथाकथित प्राइवेसी या निजता की संस्कृति ने समाज के उस ताने-बाने को छिन्न-भिन्न कर दिया है, जो कभी हमें एक सूत्र में बांधकर रखता था। जब पड़ोसी ही पड़ोसी से बेगाना हो गया, तो भला कोई किसी के बच्चे की गलती पर जुबान खोलने का जोखिम क्यों उठाएगा। आज अगर कोई बुजुर्ग किसी बच्चे को उसकी भलाई के लिए भी टोक दे, तो बच्चे के माता-पिता ही लाठी-डंडा लेकर या पुलिस की धमकी देते हुए बुजुर्ग के दरवाजे पर पहुंच जाते हैं कि आपने हमारे बच्चे को बोलने की हिम्मत कैसे की।

-संजय सक्सेना

यह बदलाव किसी एक व्यक्ति, परिवार या मोहल्ले की निजी समस्या नहीं है, बल्कि यह एक गहरे सामाजिक पतन की शुरूआत है, जिसका खामियाजा आज देश और समाज दोनों को भुगतना पड़ रहा है। इसका सबसे जीवंत और डरावना प्रमाण हमें देश की राजधानी के जंतर-मंतर जैसे संवेदनशील स्थलों पर देखने को मिलता है। जंतर-मंतर पर जब युवा और बच्चे किसी आंदोलन या धरने के नाम पर इकट्ठा होते हैं, तो वहां से निकलने वाली गालियां और अमर्यादित भाषा सुनकर रूह कांप जाती है। वे धरने और प्रदर्शन चाहे समाज के जितने भी अच्छे और ऊंचे उद्देश्यों के लिए आयोजित किए गए हों, लेकिन वहां मौजूद युवाओं के मुंह से टपकती बदजुबानी और गाली-गलौज इस बात का साफ अहसास कराती है कि हमारी महान भारतीय संस्कृति किस तरह दूषित की जा रही है। जंतर-मंतर तो महज एक राष्ट्रीय मंच है, जो मीडिया की नजरों में आ जाता है, अन्यथा पूरे देश के हर शहर, हर गली और हर चौराहे पर आज ऐसा ही माहौल बन चुका है। स्कूल और कॉलेज की वर्दी पहने बच्चे सरेआम सिगरेट का धुआं उड़ाते हुए ऐसी गंदी भाषा का इस्तेमाल करते हैं कि वहां से किसी सभ्य राहगीर का गुजरना मुहाल हो जाता है।

इस सांस्कृतिक और नैतिक पतन के पीछे पाश्चात्य सभ्यता की वह अंधी नकल है, जिसने हमारे युवाओं को पूरी तरह से 'जेन जी' यानी एक ऐसी नई पीढ़ी में बदल दिया है, जो जड़ों से कटी हुई है। पश्चिमी देशों की व्यक्तिवादी सोच को अपनाकर यह पीढ़ी मानती है कि वे पूरी दुनिया में सबसे अलग और सबसे होशियार हैं। इस पीढ़ी के व्यवहार में एक अजीब-सा उथलापन, अधीरता और अहंकार साफ देखा जा सकता है। खुद को अपने माता-पिता और दादा-दादी से ज्यादा बुद्धिमान समझना इन युवाओं की फितरत बन चुकी है। इंटरनेट और सोशल मीडिया के दौर में गूगल को अपना गुरु मानने वाले इन युवाओं को लगता है कि जीवन का हर ज्ञान स्क्रीन स्क्रॉल करने से मिल सकता है। वे यह भूल जाते हैं कि ज्ञान और अनुभव में बहुत बड़ा फर्क होता है। जो अनुभव बुजुर्गों के माथे की झुर्रियों और सफेद बालों में छुपा होता है, उसे किसी सर्च इंजन से डाउनलोड नहीं किया जा सकता। बड़ों की सीख को 'ओल्ड स्कूल' या दकियानूसी कहकर खारिज कर देना इस पीढ़ी का फैशन बन गया है, जिसके कारण वे एक वैचारिक और नैतिक शून्य में जी रहे हैं।

जब हम इस पूरे परिदृश्य का एक गंभीर और भावनात्मक अध्ययन करते हैं, तो इसके निष्कर्ष देश और समाज के भविष्य को लेकर गहरी चिंता पैदा करते हैं। एक ऐसा समाज, जहां बड़ों का सम्मान खत्म हो जाए और बच्चों को टोकने वाला कोई न बचे, वह समाज आत्मघाती रास्ते पर चल पड़ता है। जब बच्चों पर से बुजुर्गों की वह तीसरी आंख हट गई, तो युवा पीढ़ी पूरी तरह से निरंकुश हो गई। आज समाज में जो अपराध, नशाखोरी, मानसिक तनाव और डिप्रेशन की घटनाएं बढ़ रही हैं, उनके पीछे यही अकेलापन और मार्गदर्शन की कमी है। पुराने समय में जब कोई बच्चा रास्ता भटकता था, तो मोहल्ले का बुजुर्ग उसे डांटकर सही रास्ते पर ले आता था, जिससे वह बड़ी मुसीबतों से बच जाता था। आज का युवा अपनी गलतियों को सुधारने के लिए किसी टोकने वाले के न होने के कारण सीधे कानून की गिरफ्त में आता है या फिर खुद को तबाह कर लेता है।

कुल मिलाकर, राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया सिर्फ ऊंची इमारतें, चौड़ी सड़कें और बड़ी कंपनियां बनाने से पूरी नहीं होती, बल्कि इसके लिए नागरिकों के भीतर नैतिक मूल्यों और चरित्र का होना अनिवार्य है। यदि देश की युवा शक्ति संस्कारविहीन, उच्छृंखल और अमर्यादित हो जाएगी, तो आर्थिक रूप से समृद्ध होने के बाद भी हम एक खोखले राष्ट्र के रूप में खड़े होंगे। बुजुर्ग समाज की वह नींव होते हैं, जो अदृश्य रहकर भी पूरे मकान का बोझ संभाले रखते हैं। उनकी डांट में कोई दुश्मनी नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ी को तराशने की ममता छुपी होती थी। अगर हमें अपनी संस्कृति, अपने देश और अपने समाज को इस गर्त में गिरने से बचाना है, तो हमें कॉलोनियों और अपार्टमेंट्स की बंद दीवारों को तोड़कर फिर से उस मोहल्ला संस्कृति को पुनर्जीवित करना होगा। हमें अपने बच्चों को यह सिखाना होगा कि बड़ों का टोकना उनकी आजादी पर हमला नहीं, बल्कि उनकी सुरक्षा का कवच है। जब तक समाज में बुजुर्गों को उनका वह पुराना पहरेदार वाला हक वापस नहीं मिलेगा, तब तक जंतर-मंतर से लेकर देश के कोने-कोने तक मयार्दाएं ऐसे ही तार-तार होती रहेंगी और हम असहाय होकर अपने ही भविष्य को बिखरते देखते रहेंगे।

समरसता का पर्व, है सनातनी गर्व

भारत की आत्मा केवल उसकी भौगोलिक सीमाओं में नहीं बसती, बल्कि उसकी उस महान सांस्कृतिक चेतना में निवास करती है, जिसने सदियों से विविधताओं को स्वीकार कर उन्हें एक सूत्र में पिरोने का संदेश दिया है। यही चेतना समरसता है और इसी समरसता में सनातन संस्कृति का वास्तविक गौरव निहित है। पर्व केवल पूजा-पाठ, व्रत-उपवास और उत्सव का नाम नहीं; वे समाज को जोड़ने, मनुष्य को मनुष्य के निकट लाने और जीवन में सद्भाव जगाने के अवसर भी होते हैं। सनातन परंपरा ने कभी एकरूपता को अपनी शक्ति नहीं माना। उसने तो विविधता में एकता को जीवन का स्वाभाविक सत्य स्वीकार किया। अलग-अलग देवी-देवता, अलग-अलग उपासना-पद्धतियां, अलग-अलग भाषाएं, वेशभूषाएं और लोक परंपराएं होते हुए भी भारत की सांस्कृतिक धारा एक रही। यही कारण है कि यहां पर्व किसी एक व्यक्ति या वर्ग के नहीं रहे, बल्कि समाज के सामूहिक आनंद और सहभागिता के पर्व बने। समरसता का अर्थ यह नहीं कि सबकी मान्यताएं और विचार एक जैसे हो जाएं। समरसता का वास्तविक अर्थ है—भिन्नताओं के बावजूद एक-दूसरे के सम्मान और सहयोग के साथ आगे बढ़ना। जहां मतभेद हों, वहां मनभेद न हों; जहां विविधता हो, वहां विभाजन न हो; और जहां अधिकार हों, वहां कर्तव्य का बोध भी बना रहे। आज के समय में इस भावना की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक है। आधुनिक जीवन ने मनुष्य को सुविधाएं तो बहुत दी हैं, लेकिन उसके बीच दूरी भी बढ़ाई है। समाज में आर्थिक असमानता, जातिगत पूर्वाग्रह, राजनीतिक वैमनस्य, धार्मिक कटुता और व्यक्तिगत स्वार्थ की दीवारें खड़ी होती दिखाई देती हैं। ऐसे समय में हमारे पर्व हमें याद दिलाते हैं कि समाज की वास्तविक शक्ति आपसी विश्वास में है। सनातन संस्कृति का मूल संदेश ही लोकमंगल का रहा है। प्रार्थना में केवल अपने सुख की कामना नहीं, बल्कि समस्त संसार के कल्याण की भावना दिखाई देती है—ॗसर्वे भवन्तु सुखिनःॗ। यह एक वाक्य नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता का विराट दर्शन है। इसमें किसी के प्रति भेदभाव नहीं, बल्कि सबके सुख की मंगलकामना है। पर्वों की सबसे सुंदर विशेषता यही है कि वे घर की सीमाओं से निकलकर समाज तक पहुंचते हैं। दीपावली का दीप केवल एक घर को प्रकाशित नहीं करता, होली का रंग केवल एक व्यक्ति को नहीं रंगता, रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के रिश्ते तक सीमित नहीं रहता और मकर संक्रांति का संदेश केवल तिल-गुड़ की मिठास तक नहीं ठहरता। इन पर्वों के भीतर सामाजिक संबंधों को मधुर बनाने और मन की दूरियां मिटाने की शक्ति छिपी है। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या हम पर्वों के बाहरी स्वरूप को तो अपना रहे हैं, उनके मूल संदेश को भी आत्मसात कर रहे हैं? यदि किसी पर्व पर हम भव्य आयोजन करें, मंदिरों को सजाएं, दीप जलाएं और धार्मिक अनुष्ठान करें, लेकिन अपने पड़ोसी के दुख से आंखें फेर लें, किसी गरीब के बच्चे की शिक्षा में सहयोग न करें, किसी बुजुर्ग को अकेला छोड़ दें या किसी जरूरतमंद के प्रति संवेदना न रखें, तो पर्व का आध्यात्मिक उद्देश्य अधूरा रह जाता है। सनातन गर्व केवल अतीत की महानता गिनाने में नहीं, बल्कि वर्तमान को श्रेष्ठ बनाने में है। हमारी संस्कृति की महानता तभी सार्थक होगी, जब उसके संस्कार हमारे व्यवहार में दिखाई देंगे।

-विक्रम दयाल

किसी भूखे को भोजन देना, किसी निराश व्यक्ति को सहारा देना, किसी असहाय की सहायता करना, किसी वृद्ध का सम्मान करना और समाज में प्रेम का वातावरण बनाना भी उतना ही बड़ा धार्मिक कर्म है जितना कोई अनुष्ठान। समरसता का पर्व हमें यह भी सिखाता है कि समाज में कोई व्यक्ति छोटा-बड़ा नहीं होता। प्रत्येक मनुष्य की गरिमा समान है। श्रम करने वाला हाथ हो या ज्ञान देने वाला मस्तिष्क, खेत में पसीना बहाने वाला किसान हो या सीमा पर राष्ट्र की रक्षा करने वाला जवान—हर व्यक्ति राष्ट्र की सामूहिक शक्ति का हिस्सा है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम सामाजिक पहचान को संघर्ष का कारण न बनने दें। जाति, भाषा, क्षेत्र, पंथ और आर्थिक स्थिति की विविधताएं भारत की वास्तविकता हैं, लेकिन इन्हें वैमनस्य का आधार बनाना हमारी सांस्कृतिक विरासत के विपरीत है। हमारी पहचान अनेक हो सकती है, पर हमारा मानवीय धर्म एक होना चाहिए। समरस समाज में उत्सव की खुशी तब और बढ़ जाती है, जब उसमें अंतिम पंक्ति में खड़ा व्यक्ति भी स्वयं को सहभागी महसूस करे। मंदिर का प्रसाद तभी पूर्ण है जब वह भूखे तक पहुंचे। पर्व की मिठास तभी सार्थक है जब वह किसी अकेले घर तक भी पहुंचे। दीप तभी सार्थक है जब वह किसी के अंधकार को कम करे। आज जब सोशल मीडिया और सूचना के तेज प्रवाह ने समाज को अभूतपूर्व रूप से जोड़ दिया है, वहीं दुर्भाग्य से शब्दों के माध्यम से मनुष्य को बांटने और एक-दूसरे के प्रति अविश्वास पैदा करने की प्रवृत्ति भी बढ़ी है। ऐसे दौर में संयमित भाषा, सहिष्णु विचार और संवाद की संस्कृति को बढ़ावा देना भी सामाजिक धर्म है। सनातन परंपरा की शक्ति उसकी सहिष्णुता, आत्मचिंतन और निरंतर परिवर्तनशीलता में रही है। जिसने हजारों वर्षों की यात्रा में अनेक परिस्थितियों को देखा, अनेक संस्कृतियों से संवाद किया और फिर भी अपनी मूल चेतना को जीवित रखा, उस परंपरा का गर्व तभी सार्थक है जब वह समाज में प्रेम, न्याय, करुणा और समरसता को मजबूत करे। पर्व हमें केवल यह नहीं बताते कि हमें क्या पूजा करनी है; वे यह भी बताते हैं कि हमें कैसा मनुष्य बनना है। इसलिए ॗसमरसता का पर्व, है सनातनी गर्वॗ केवल एक शीर्षक नहीं, बल्कि आज के समाज के लिए एक आह्वान है। आइए, पर्वों को केवल कैलेंडर की तारीख न बनने दें। उन्हें अपने आचरण का हिस्सा बनाएं। अपने भीतर के अहंकार को मिटाएं, मन की दूरियां कम करें और उस भारत का निर्माण करें जहां विविधता विभाजन नहीं, सौंदर्य बने; जहां धर्म विवाद नहीं, सदाचार बने; और जहां संस्कृति केवल गर्व का विषय नहीं, बल्कि जीवन का व्यवहार बने। क्योंकि अंततः सनातन का सबसे बड़ा गर्व किसी बाहरी प्रदर्शन में नहीं, बल्कि उस हृदय में है जिसमें सबके लिए सम्मान, सबके लिए करुणा और सबके लिए मंगलकामना हो। यही समरसता है, यही सनातनी संस्कार है और यही भारत की शाश्वत शक्ति है।

एचपीसीएल अपने हरित संचालन के लिए सौर, एग्री-सोलर और फ्लोटिंग सोलर परियोजनाओं के माध्यम से नवीकरणीय ऊर्जा समाधानों को बढ़ावा दे रहा है

मुंबई (उत्तरशक्ति)। हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड अपने संचालन को अधिक हरित बनाने के प्रयासों के तहत और स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों की ओर संक्रमण को समर्थन देने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा पहलों को गति दे रही है। जैसे-जैसे नवीकरणीय ऊर्जा पारंपरिक सौर परियोजनाओं से आगे बढ़ रही है, एचपीसीएल अपनी नवीकरणीय ऊर्जा सहायक कंपनी HPCL Renewable and Green Energy Limited (HPRGE) के माध्यम से ऐसे अभिनव मॉडल अपना रही है, जो स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन के साथ भूमि, जल और मौजूदा बुनियादी ढांचे के कुशल उपयोग को जोड़ते हैं। एचपीसीएल के पास वर्तमान में सौर और पवन ऊर्जा परिसंपत्तियों से युक्त 253 मेगावाट का परिचालनरत नवीकरणीय ऊर्जा पोर्टफोलियो है। इसके 100.9 मेगावाट के पवन ऊर्जा पोर्टफोलियो का उपयोग कैप्टिव खपत, यूटिलिटी सप्लाई और इंडियन एनर्जी एक्सचेंज पर बिजली कारोबार के मिश्रण के माध्यम से किया जा रहा है। अपने नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र का और विस्तार करते हुए, HPRGE विभिन्न स्वरूपों में 200 MWp से अधिक क्षमता की सौर परियोजनाओं को क्रियान्वित कर रही है। इनमें ग्राउंड-माउंटेड, रूफटॉप, एग्री-सोलर और फ्लोटिंग सोलर परियोजनाएं शामिल हैं। HPRGE के विस्तार का एक प्रमुख फोकस HPCL की रिफाइनरियों, मार्केटिंग स्थानों और समूह की कंपनियों के कैप्टिव ग्रीनिंग को समर्थन देना है।

केडीएमसी में सुरक्षा रक्षकों की 165 पदें रिक्त, निजी सुरक्षा एजेंसी का प्रस्ताव वापस

कल्याण। कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका (केडीएमसी) में सुरक्षा रक्षकों के 165 पद रिक्त होने का मामला शुक्रवार को हुई स्थायी समिति की बैठक में सामने आया। इन रिक्त पदों को तत्काल भरने की मांग के बाद प्रशासन ने निजी सुरक्षा रक्षक उपलब्ध कराने संबंधी अपना प्रस्ताव वापस ले लिया। सदस्यों का कहना था कि यदि महापालिका के रिक्त पद भरे जाते हैं तो निजी सुरक्षा रक्षकों पर खर्च करने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। भाजपा नगरसेवक मंदार हळबे ने मुद्दा उठाते हुए कहा कि महापालिका के उपायुक्तों को भी सुरक्षा रक्षक उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इससे पहले महाराष्ट्र सुरक्षा बल और सुरक्षा बोर्ड के जवानों की सेवाएं ली जाती थीं, जिनके वेतन पर महापालिका करोड़ों रुपये खर्च करती है। इसके बावजूद महापालिका की आवश्यकता वाले कई स्थानों पर पर्याप्त सुरक्षा रक्षक उपलब्ध नहीं हैं। उन्होंने उपायुक्तों को दिए गए सुरक्षा रक्षकों को हटाने की मांग की। महापालिका के सुरक्षा अधिकारी भारत बुळे ने जानकारी दी कि महापालिका के पास वर्तमान में 104 सुरक्षा रक्षक हैं, जबकि 165 पद रिक्त हैं। इसके अलावा महाराष्ट्र सुरक्षा बल के 181 जवान और सुरक्षा बोर्ड के 108 सुरक्षा रक्षक कार्यरत हैं। इन सभी के वेतन का भुगतान महापालिका द्वारा किया जाता है।

शिवसेना के नगरसेवक विकास म्हात्रे ने कुंभारखानपाड़ा और राजूनगर स्थित श्मशानभूमियों में सुरक्षा रक्षक और पर्याप्त मनुष्यबल उपलब्ध नहीं होने का मुद्दा उठाया। उन्होंने बताया कि सुरक्षा व्यवस्था के अभाव में आवारा कुत्तों द्वारा अधजले शवों के अवशेष खींच ले जाने जैसी घटनाएं सामने आई हैं। उन्होंने इन श्मशानभूमियों में तत्काल सुरक्षा रक्षक और आवश्यक मनुष्यबल उपलब्ध कराने की मांग की। भाजपा नगरसेवक दीपेश म्हात्रे ने डोंबिवली के मोठा गांव स्थित श्मशानभूमि की तर्ज पर कुंभारखानपाड़ा और राजूनगर की श्मशानभूमियों में भी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने का सुझाव दिया। अतिरिक्त आयुक्त हर्षल गायकवाड़ ने इस सुझाव पर सकारात्मक सहमति जताई। अधिकारी समय पर नहीं पहुंचे, बैठक 15 मिनट के लिए स्थगित स्थायी समिति की बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारी समय पर उपस्थित नहीं होने पर सदस्यों ने तीखी नाराजगी जताई। सदस्यों ने सवाल उठाया कि क्या स्थायी समिति की बैठक अधिकारियों के लिए महत्वपूर्ण नहीं है। अधिकारियों की अनुपस्थिति के कारण सभापति मल्लेश शेट्टी ने बैठक को 15 मिनट के लिए स्थगित कर दिया। 15 मिनट बाद अधिकारी उपस्थित हुए, जिसके बाद बैठक दोबारा शुरू की गई।

निऑन फाउंडेशन द्वारा महारक्तदान शिविर आयोजित, 567 यूनिट रक्त का हुआ संकलन

पालघर(उत्तरशक्ति)। निऑन फाउंडेशन की ओर से गुरुवार 20 अगस्त 2026 को पालघर में आयोजित महा रक्तदान शिविर को स्वैच्छिक रक्तदाताओं का उत्स्फूर्त प्रतिसाद मिला। सुबह 8 बजे से शाम 6.30 बजे तक चले इस शिविर में चार रक्तकेंद्रों के सहयोग से कुल 567 रक्त यूनिटों का संकलन किया गया।

शिविर में मानस सेरोलॉजिकल इंस्टीट्यूट ब्लड सेंटर ने 136, सरला ब्लड बैंक ने 115, जिला अस्पताल पालघर रक्तकेंद्र ने 183 तथा श्रीमती देवकाबाई कल्याणजी छेड़ा ब्लड सेंटर ने 133 रक्त यूनिटों का संकलन किया। इस अवसर पर जिला परिषद पालघर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने स्वयं रक्तदान कर अन्य रक्तदाताओं का उत्साह बढ़ाया। शिविर में निऑन फाउंडेशन के ट्रस्टी प्रवीण जैन, निऑन फार्मा कंपनी की वरिष्ठ महाप्रबंधक (एचआर एवं प्रशासन) संध्या पाटील एवं उनकी टीम, पालघर पुलिस थाने के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक किशोर मनभाव, वरिष्ठ पत्रकार नरेंद्र पाटील सहित कंपनी के अधिकारी-कर्मचारी, स्वयंसेवक और नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। मानव जीवन बचाना और समाज की सेवा करना के उद्देश्य से निऑन फाउंडेशन द्वारा लगातार विभिन्न सामाजिक उपक्रम संचालित किये जा रहे हैं। स्वैच्छिक रक्तदान को प्रोत्साहित करने तथा नागरिकों में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से इस महा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में संकलित रक्त जरूरतमंद मरीजों और आपातकालीन परिस्थितियों में रक्त की आवश्यकता वाले मरीजों के लिए उपयोगी साबित होगा। निऑन फाउंडेशन के ट्रस्टी प्रवीण जैन ने कहा कि रक्तदान एक श्रेष्ठ सामाजिक कार्य है और प्रत्येक रक्तदाता का योगदान किसी जरूरतमंद मरीज का जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। शिविर की सफलता के लिए निऑन फाउंडेशन की ओर से सभी रक्तदाताओं, सहभागी रक्तकेंद्रों के चिकित्सकों एवं चिकित्सा कर्मचारियों, स्वयंसेवकों तथा सहयोग करने वाले सभी मान्यवरों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। रक्तदान करें, जीवन बचाएं– आपके रक्त की एक-एक बूंद किसी को जीवन का नया अवसर दे सकती है। इसी प्रेरणादायी संदेश के साथ महा रक्तदान शिविर का समापन हुआ।

दापचरी में बनेगा अंतरराष्ट्रीय कृषि बाजार, 10 हजार रोजगार के अवसर

◆फ्रांस के रुंगीस मार्केट की तर्ज पर अत्याधुनिक व्यापार केंद्र विकसित करने की तैयारी

◆किसानों को वैश्विक बाजार से सीधे जोड़ने का लक्ष्य

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिले के दापचरी में 1,395 एकड़ भूमि पर प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय कृषि उत्पन्न बाजार परियोजना का पणन मंत्री जयकुमार रावल ने बुधवार को स्थल निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को परियोजना को जल्द से जल्द मूर्त रूप देने के लिए आवश्यक तैयारियां और कार्रवाई तेज करने के निर्देश दिए। मंत्री रावल ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार दापचरी में फ्रांस के प्रसिद्ध रुंगीस मार्केट की तर्ज पर अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त अंतरराष्ट्रीय स्तर की कृषि बाजारपेठ विकसित करने का संकल्प लेकर आगे बढ़ रही है। यह परियोजना महाराष्ट्र सहित देशभर के किसानों को वैश्विक बाजार से सीधे जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगी। मंत्री रावल ने प्रस्तावित परियोजना के लिए निर्धारित 1,395 एकड़ भूमि का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान गोशाला परिसर, गोहर धाड़ कृषि विभाग, नया मोहरा कृषि विभाग सहित विभिन्न क्षेत्रों का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान निवासी जिलाधिकारी सुभाष भागडे, बाबासाहेब थोरात, पणन मंडल के कार्यकारी संचालक संजय कदम, सहायक परियोजना अधिकारी शैलेश सावंत, डहाणू तहसीलदार सुनील कोली,

उपनिबंधक किसन रत्नाले, झेन्मार्क सर्वे प्रा. लि. के रुपेश राणे, संतोष चव्हाण सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

मंत्री रावल ने बताया कि प्रस्तावित बाजार में फल, सब्जियां, फूल, अनाज, मछली, दुग्ध उत्पाद, मांस सहित विभिन्न कृषि उत्पादों के लिए अत्याधुनिक बाजार, प्रसंस्करण, पैकेजिंग, भंडारण और निर्यात की सुविधाएं विकसित की जायेंगी। विदर्भ, मराठवाड़ा, उत्तर महाराष्ट्र, कोंकण और पश्चिम महाराष्ट्र के साथ ही देश के अन्य हिस्सों से भी कृषि उपज यहां पहुंच सकेगी। वाढवण डीपवॉटर पोर्ट, रेलवे, राष्ट्रीय राजमार्ग, समृद्धि महामार्ग और भविष्य में प्रस्तावित विमानतल सहित विभिन्न परिवहन सुविधाओं से बेहतर कनेक्टिविटी के कारण दापचरी को एक इंटीग्रेटेड मल्टी-मोडल एग्रीकल्चर लॉजिस्टिक्स हब के रूप में विकसित करने की योजना है।

मंत्री रावल ने कहा कि इस परियोजना से स्थानीय नागरिकों को बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर मिलेंगे। अनुमानतः करीब 10 हजार रोजगार सृजित होंगे और इनमें स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता देने का प्रयास किया जायेगा। कृषि प्रसंस्करण उद्योग, गोदाम, कोल्ड स्टोरेज, लॉजिस्टिक्स, पैकेजिंग, परिवहन और अन्य सहायक सेवाओं में रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। उन्होंने कहा कि वर्तमान में स्थानीय किसानों और मछुआरों को अपनी उपज बेचने के लिए मुंबई या वाशी तक जाना पड़ता है। दापचरी में अंतरराष्ट्रीय स्तर की बाजार व्यवस्था विकसित होने के बाद उन्हें अपने क्षेत्र के नजदीक ही बड़ी बाजारपेठ उपलब्ध होगी। इससे परिवहन लागत कम होगी, किसानों को बेहतर बाजार और उचित मूल्य मिलने की संभावना बढ़ेगी तथा स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। मंत्री रावल ने स्पष्ट किया कि परियोजना के लिए किसी भी व्यक्ति का विस्थापन नहीं किया जायेगा। वर्षों से उपयोग में नहीं आ रही सरकारी भूमि का नियोजित विकास कर इस महत्वाकांक्षी परियोजना को साकार किया जायेगा। उन्होंने कहा कि यह केवल कृषि बाजार बनाने की परियोजना नहीं है, बल्कि महाराष्ट्र के किसानों को वैश्विक बाजार उपलब्ध कराने और पालघर को अंतरराष्ट्रीय कृषि व्यापार के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

स्व. पंडित नाना मित्र मंडल तेलंगाना के स्वर्णगिरि श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर की प्रतिकृति

भिवंडी। आगामी गणेशोत्सव के मद्देनजर शहर के सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडलों ने सजावट और आकर्षक झांकियों की तैयारियां शुरू कर दी हैं। कामतघर-चंदनबाग स्थित स्वर्गीय पंडित नाना मित्र मंडल एवं आर.वी. पवार प्रतिष्ठान की ओर से आयोजित होने वाले सार्वजनिक गणेशोत्सव के सजावट मंडप का भूमिपूजन संस्थापक अध्यक्ष साईनाथ पवार के हाथों धार्मिक विधि-विधान के साथ संपन्न हुआ। ह्यचंदनबाग के राजाह्न के नाम से प्रसिद्ध इस गणेशोत्सव मंडल का यह 37वां वर्ष है। इस वर्ष मंडल की ओर से तेलंगाना स्थित स्वर्णगिरि श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर की भव्य प्रतिकृति तैयार की जाएगी, जो गणेशभक्तों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगी। मंडल की ओर से हर वर्ष देश के विभिन्न राज्यों में स्थित प्रसिद्ध मंदिरों की भव्य प्रतिकृतियां

तैयार की जाती हैं। इसके माध्यम से भिवंडी के श्रद्धालुओं को देश की धार्मिक एवं सांस्कृतिक वास्तुकला से परिचित होने का अवसर मिलता है। गणेशोत्सव को धार्मिक उत्साह के साथ मनाने के साथ ही मंडल की ओर से विभिन्न सामाजिक एवं जनहितकारी कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। इनमें स्वास्थ्य शिविर और नशामुक्ति जनजागृति अभियान सहित अन्य उपक्रम शामिल हैं। यह जानकारी संस्थापक अध्यक्ष साईनाथ पवार ने दी।

बोईसर-वाणगंगा शिवकांवड़ यात्रा बोईसर से रविवार को होगी रवाना

पालघर(उत्तरशक्ति)। उत्तर भारतीयों की कर्मभूमि कहे जाने वाले बोईसर शहर से सावन के चौथे सोमवार 24 अगस्त 2026 को संजान (गुजरात) के हुमरान स्थित प्राचीन देवपीठ तपस्वी आश्रम में भगवान अमरकंटक महादेव का जलाभिषेक करने के लिए बोईसर-वाणगंगा शिवकांवड़ यात्रा रविवार 23 अगस्त 2026 को रवाना होगी। करीब 80 किलोमीटर की इस धार्मिक यात्रा में हजारों महिला एवं पुरुष कांवरिये शामिल होंगे।

पालघर जिले बोईसर शहर के अवधनगर में स्थित श्री दुर्गा माता शक्तिपीठ मंदिर से रविवार सुबह कांवरियों का जत्था रवाना होगा। यात्रा का शुभारंभ ऋषि-मुनियों द्वारा देवपूजन एवं मंगलकामना के साथ किया जायेगा। यात्रा में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं का नियमानुसार पंजीकरण किया गया

है। कांवरिये वाणगंगा नदी में पवित्र जल भरकर कांवर उठायेंगे और तारापुर, चिंचणी, डहाणू, बोर्डी तथा उमरगांव मार्ग से होते हुए संजान के हुमरान स्थित तपस्वी आश्रम पहुंचेंगे। यह यात्रा पैदल चलने के साथ-साथ समिति की ओर से उपलब्ध कराई गई वाहनों की सुविधा से भी पूरी की जायेगी। बतादें कि तपस्वी आश्रम देवपीठ की इस कांवर यात्रा की शुरूआत परमसंत ब्रह्मलीन अनंत श्री श्री 1008 श्री सरखंडीजी महाराज द्वारा की गई थी। वर्षों से चली आ रही इस धार्मिक परंपरा में बड़ी संख्या में शिवभक्त उत्साहपूर्वक हिस्सा लेते हैं। तपस्वी आश्रम पहुंचने के बाद पूरी रात सांस्कृतिक एवं धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

लोकगीत गायक दिनेश्वर कुशवाहा सहित अन्य कलाकार शिवभक्ति से ओतप्रोत भजनों की प्रस्तुति देंगे। सोमवार सुबह बाबा का पट खुलने के बाद कांवरिये कतारबद्ध होकर भगवान अमरकंटक महादेव का जलाभिषेक करेंगे। कांवरियों की सुविधा, सेवा एवं सुरक्षा के लिए समिति की ओर से व्यापक तैयारियां की गई हैं। यात्रा के लिए 20 बसें और 20 टेंपो उपलब्ध रहेंगे। आपातकालीन स्थिति के लिए एंबुलेंस की भी व्यवस्था की गई है। स्वयंसेवी संस्थाओं की ओर से मार्ग में जगह-जगह जलपान और अल्पाहार की व्यवस्था रहेगी, जबकि डहाणू में दोपहर के भोजन की व्यवस्था की जायेगी। यात्रा समिति में गणेश राणा अध्यक्ष, रामरंजन सिंह कोषाध्यक्ष, जबकि अरविंद सिंह, मायाराम गुप्ता, रायसाहब यादव एवं निमोर्ही यादव को प्रमुख जिम्मेदारियां दी गई हैं। कोर कमेटी में आनंद गिरी, मनोज गिरी, अरुण सिंह, ज्ञानु यादव व बंशी गुप्ता शामिल हैं। सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी कुंदन सिंह, किशन गढ़वी और राबिन सिंह के नेतृत्व में सैकड़ों स्वयंसेवकों की टीम संभालेगी।

उत्तर क्षेत्रीय संस्था द्वारा मनाया गया पत्रकार अजीत सिंह का जन्मदिन

पालघर(उत्तरशक्ति)। उत्तर क्षेत्रीय संस्था की ओर से शुक्रवार 21 अगस्त 2026 को बोईसर शहर के समीप पास्थल ग्राम पंचायत अंतर्गत इंद्रप्रस्थ पेट्रोल पंप कार्यालय में पत्रकार अजीत सिंह का जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों एवं पत्रकारों ने उन्हें जन्मदिन की हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कार्यक्रम की शुरूआत केक काटकर की गई। इसके पश्चात उत्तर क्षेत्रीय संस्था की ओर से पत्रकार अजीत सिंह का सम्मान वस्त्र एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मान किया गया। उपस्थित सभी लोगों ने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए पत्रकारिता के क्षेत्र में उनके योगदान की सराहना की। वहीं उपस्थित लोगों ने अजीत सिंह के स्वस्थ, सुखी एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। इस अवसर पर उत्तर क्षेत्रीय संस्था के अध्यक्ष अरविन्द सिंह क्षत्रिय, हनुमान सिंह, रामनरेश यादव, प्रमोद गाडगे, बोईसर-पालघर पत्रकार संघ के अध्यक्ष रामप्रकाश निराला, दैनिक उत्तरशक्ति समाचार पत्र के संपादक

ओमप्रकाश प्रजापति, वरिष्ठ पत्रकार ओमप्रकाश द्विवेदी व ज्ञानेश्वर रामोशी, भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा के जिला अध्यक्ष आर. बी. सिंह सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति एवं शुभचिंतक उपस्थित रहे।

प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को सक्षम बनाने हेतु विशेष प्रशिक्षण में तेजी

◆46 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के स्वास्थ्यकर्मियों को सर्वसमावेशी प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा का प्रशिक्षण

◆13 सत्रों में 674 प्रशिक्षणार्थी हुए शामिल

पालघर(उत्तरशक्ति)। ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण, सर्वसमावेशी, प्रभावी एवं मरीज-केंद्रित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला परिषद पालघर के स्वास्थ्य विभाग की ओर से सर्वसमावेशी प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा विषय पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया जा रहा है। आयुष्मान भारत स्वास्थ्य मंदिरों के माध्यम से प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत बनाने के लिए राज्य सरकार के दिशा-निर्देशों के तहत यह प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है।

महाराष्ट्र शासन के सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग के 7 मई 2026 के शासन निर्णय के अनुसार आयुष्मान भारत स्वास्थ्य मंदिरों के उपकेंद्रों में कार्यरत समुदाय स्वास्थ्य अधिकारी, एएनएम, एमपीडब्ल्यू तथा आशा कार्यकर्ताओं के लिए यह प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इसका प्रमुख उद्देश्य प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ाना और ग्रामीण नागरिकों को उनके नजदीकी स्वास्थ्य संस्थान में व्यापक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना है। सर्वसमावेशी प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा के तहत केवल बीमारी का उपचार करने के बजाय रोकथाम, स्वास्थ्य संवर्धन, उपचार, पुनर्वास तथा पैलिएटिव केयर जैसी सेवाओं को एकीकृत रूप से नागरिकों तक पहुंचाने पर जोर दिया जा रहा है। वर्तमान में संक्रामक बीमारियों के साथ-साथ गैर-संचारी रोगों का प्रमाण भी बढ़ रहा है। इसके अलावा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, किशोर स्वास्थ्य, बुजुर्गों का स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य तथा जीवनशैली से जुड़े रोगों के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण सेवाओं की आवश्यकता बढ़ी है। इन बदलती स्वास्थ्य जरूरतों को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्यकर्मियों की क्षमता वृद्धि के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

प्रशिक्षण के दौरान प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं आयुष्मान भारत स्वास्थ्य मंदिर स्तर पर उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ाने, समय पर एवं सटीक निदान, संक्रामक एवं गैर-संचारी रोगों के समन्वित प्रबंधन, आवश्यक स्क्रीनिंग, फॉलोअप, रेफरल सेवाओं, स्वास्थ्य परामर्श तथा समुदाय की भागीदारी के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं को प्रभावी बनाने संबंधी मार्गदर्शन दिया जा रहा है। इसके साथ ही मातृ एवं बाल स्वास्थ्य, किशोर स्वास्थ्य, वृद्ध स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य, गैर-संचारी रोग, संक्रामक रोग नियंत्रण, स्वास्थ्य जागरूकता, विभिन्न सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन, डिजिटल स्वास्थ्य सेवाएं, रिपोर्टिंग एवं डेटा प्रबंधन तथा मरीजों के साथ प्रभावी संवाद जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

पालघर जिले में 46 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों को विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। स्वास्थ्य व्यवस्था को और सक्षम बनाने के उद्देश्य से इन केंद्रों में कार्यरत समूह अ से समूह ड तक के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के कार्यकौशल को बढ़ाने के लिए चरणबद्ध तरीके से प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है।

जिले के विक्रमगढ़ और तलासरी तहसील में प्रशिक्षण कार्यक्रम पूर्ण हो चुका है। अब तक 13 प्रशिक्षण सत्रों में कुल 674 प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। प्रशिक्षण का अगला चरण 19 अगस्त 2026 से वाडा तहसील के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, कुडूस में शुरू किया गया है। कुडूस में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कुडूस की चिकित्सा अधिकारी डॉ. श्वेता पाटील के हाथों किया गया। इस अवसर पर उन्होंने ग्रामीण क्षेत्र के प्रत्येक नागरिक तक स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावी रूप से पहुंचाने के लिए स्वास्थ्यकर्मियों से संवेदनशीलता, जिम्मेदारी और सेवाभाव के साथ कार्य करने का आहवान किया।

जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संतोष चौधरी ने कहा कि ग्रामीण नागरिकों के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और आयुष्मान भारत स्वास्थ्य मंदिर स्वास्थ्य व्यवस्था के पहले और अत्यंत महत्वपूर्ण प्रवेशद्वार हैं। बदलते रोगों के स्वरूप को देखते हुए केवल उपचारात्मक सेवाएं देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि रोकथाम, स्वास्थ्य संवर्धन, उपचार, पुनर्वास और पैलिएटिव सेवाओं को एकीकृत रूप से उपलब्ध कराना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के माध्यम से स्वास्थ्यकर्मियों का ज्ञान और कौशल मजबूत होगा, जिससे नागरिकों को समय पर, सटीक, गुणवत्तापूर्ण और मरीज-केंद्रित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। उन्होंने सभी स्वास्थ्यकर्मियों से प्रशिक्षण में प्राप्त ज्ञान का प्रत्यक्ष कार्य में प्रभावी उपयोग करते हुए अंतिम व्यक्ति तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा पहुंचाने में योगदान देने का आवाहन किया।

ईद मिलादुन्नबी जुलूस को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने को लेकर पुलिस प्रशासन की बैठक

भिवंडी। मुस्लिम समुदाय के पवित्र त्योहार ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर 26 अगस्त को भिवंडी शहर में निकाले जाने वाले भव्य जुलूस को लेकर पुलिस प्रशासन और मुस्लिम धर्मगुरुओं की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। गुरुवार (20 अगस्त) को भिवंडी पुलिस उपायुक्त डॉ. पंकज बनसोड की अध्यक्षता में हुई बैठक में शहर के मौलाना एवं मुस्लिम समाज के प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में तंजीम उलेमा-ए-अहले सुन्नत समिति के मौलाना शमशाद नूरी, मौलाना रफीक आलम, मौलाना शहनवाज हुसैन, मौलाना फहीमुल इस्लाम, मौलाना मेहताब आलम, मौलाना अली हुसैन हाशमी, मुफ्ती फरहान

रजा, मौलाना हाफिज शाबान, मौलाना राहत हुसैन, मौलाना मुअज्जम, मौलाना जीशान सहित जैनुद्दीन भाई, अनीस अख्तर, हाजी शकील, हाजी मुजम्मिल, एजाज शेख आदि उपस्थित रहे। बैठक में जुलूस के मार्ग पर सड़कों की खराब स्थिति और जगह-जगह बने गड्ढों की मरम्मत कराने की मांग की गई। साथ ही जुलूस के दौरान सामाजिक शांति, धार्मिक सद्भाव और कानून-व्यवस्था बनाए रखने पर विशेष चर्चा हुई। मौलवियों ने पुलिस प्रशासन को आश्वासन दिया कि कानून-व्यवस्था बिगाड़ने वाले तत्वों के खिलाफ कार्रवाई में समाज की ओर से पूरा सहयोग किया जाएगा। शहर में बढ़ते अपराध और नशे की समस्या के खिलाफ भी पुलिस प्रशासन के साथ मिलकर काम करने की बात कही गई। पुलिस उपायुक्त डॉ. पंकज बनसोड ने कहा कि शहर में कानून-व्यवस्था और आपसी भाईचारा बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन के साथ समाज के सभी वर्गों का सहयोग जरूरी है। उन्होंने मुस्लिम समाज की ओर से दिए जा रहे सहयोग पर संतोष व्यक्त किया।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

आठगांव स्कूल में विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिए RFID शटर प्रणाली शुरू होने से सुरक्षा व्यवस्था होगी मजबूत

कोनगांव (उत्तरशक्ति)। विद्यार्थियों की सुरक्षा और स्कूल में उपस्थिति प्रबंधन को अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से आठगांव शिक्षण संस्था के स्कूल में RFID VMS प्रणाली स्थापित की गई। आधुनिक प्रणाली का शुभारंभ कोंगांव पुलिस थाने के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक मंगेश बोरसे और युवा उद्यमी नरेंद्र पुरोहित के हाथों उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया। इस प्रणाली के माध्यम से विद्यार्थियों के स्कूल में प्रवेश और छुट्टी के समय की जानकारी दर्ज करना आसान होगा। साथ ही अभिभावकों को अपने बच्चों की स्कूल में उपस्थिति से संबंधित अधिक सुरक्षित और विश्वसनीय जानकारी प्राप्त हो सकेगी। उपस्थित अतिथियों ने विद्यार्थियों की सुरक्षा की दृष्टि से इस पहल को महत्वपूर्ण बताया।

वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक मंगेश बोरसे ने कहा कि विद्यार्थियों की सुरक्षा केवल स्कूल ही नहीं, बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है। उन्होंने आधुनिक तकनीक के माध्यम से विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिए उठाए गए इस कदम की सराहना करते हुए अन्य स्कूलों को भी ऐसे उपक्रम अपनाने की सलाह दी। युवा उद्यमी नरेंद्र पुरोहित ने कहा कि शिक्षा के साथ विद्यार्थियों की सुरक्षा और अभिभावकों का विश्वास बनाए रखना भी जरूरी है। RFID श्टर जैसी तकनीक स्कूल और अभिभावकों के बीच संवाद को और प्रभावी बनाने में सहायक होगी। संस्था के अध्यक्ष बालाराम कराले ने कहा कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना संस्था का प्रमुख दायित्व है। उपाध्यक्ष मधुकर म्हात्रे, सचिव द्वारकानाथ पाटिल ने भी इस पहल को समय की आवश्यकता बताते हुए संस्था की भविष्य में भी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

FNP का रक्षाबंधन कलेक्शन

मुंबई। रक्षाबंधन का पावन पर्व अब बस आने ही वाला है। भाई-बहन के इस अटूट और अनमोल रिश्ते का जश्न मनाने के लिए भारत के प्रमुख गिफ्टिंग प्लेटफॉर्म FNP (Ferns N Petals) ने इस साल अपनी खास 'राखी गिफ्टिंग गाइड 2026' की घोषणा की है। हर तरह के स्वभाव और रिश्ते की अलग केमिस्ट्री को ध्यान में रखते हुए तैयार किए गए ये गिफ्ट्स आपके रक्षाबंधन को और भी यादगार बनाएंगे।

भाई-बहन की पुरानी और प्यारी यादों को तरोताजा करने के लिए FNP ने 'यू आर माय गाइडिंग लाइट मल्टी-फोटो छएऊ स्पीकर' (849 रुपये) पेश किया है। इसमें पसंदीदा तस्वीरों, खूबसूरत डिटेल्स और हल्की रोशनी का शानदार मेल है, जो छोटे भाई या बहन के कमरे को एक पर्सनल टच देता है। वहीं, परिवार की हर महफिल में रंग जमाने वाली भैया-भाभी की जोड़ी के लिए 'सुपरस्टार भैया एन भाभी राखी हैम्पर' (999 रुपये) तैयार किया गया है।

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

सरकारी तालाब की भूमि पर कब्जे और बिक्री का आरोप

जितेन्द्र कनोजिया

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत नगर पंचायत क्षेत्र में सरकारी तालाब की भूमि को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। उपलब्ध दस्तावेजों और प्रस्तुत प्रार्थना पत्र में गाटा संख्या 173, रकबा 0.506 हेक्टेयर की भूमि को तालाब/ग्रामसभा की भूमि बताते हुए उस पर कथित कब्जे, निर्माण और भूमि के लेन-देन के आरोप लगाए गए हैं।

प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया गया है कि उक्त भूमि पर मदरसा इस्लामिया का भवन निर्माण कराया गया और तालाब की भूमि का उपयोग किया गया। मामले में मदरसा इस्लामिया के प्रबंधक डॉ. बहादुर अली खान पुत्र मुनव्वर खान का नाम भी प्रार्थना पत्र में दर्ज है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि अभी नहीं हुई है।

मामले से संबंधित राजस्व न्यायालय के दस्तावेज के अनुसार उपजिलाधिकारी (तहसील स्तर)-न्यायिक, केराकत की पीठासीन अधिकारी बिंदुलता के न्यायालय में वाद संख्या 0384/2026, शमीउल्ला बनाम ग्रामसभा में 23 जुलाई 2026 को आदेश पारित किया गया। आदेश में पूर्व में पारित 24 जुलाई 1979 के आदेश के परिप्रेक्ष्य में ग्राम कस्बा केराकत की आराजी संख्या 173/0.506 के संबंध में आदेश का अनुपालन खतौनी में दर्ज कराने का निर्देश दिया गया है।

राजस्व न्यायालय के आदेश से मामला गरमाया

दस्तावेज में शमीउल्ला पुत्र स्वर्गीय इनामउल्ला सहित अन्य पक्षकारों का उल्लेख है। पत्रावली के अवलोकन के बाद राजस्व न्यायालय ने पूर्व आदेश का खतौनी में अनुपालन कराया जाना न्यायसंगत माना।

इधर, प्रस्तुत हाथ से लिखे प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया गया है कि कथित तालाब की भूमि पर कब्जा कर निर्माण कराया गया और भूमि को लेकर कथित तौर पर लेन-देन भी किया गया। प्रार्थना पत्र में संबंधित व्यक्तियों की भूमिका की जांच कराने की मांग की गई है।

राजस्व अभिलेख और मौके की जांच से साफ होगी स्थिति- मामले में अब गाटा संख्या 173/0.506 की वास्तविक राजस्व स्थिति, खतौनी में दर्ज भूमि की प्रकृति, मौके पर मौजूद निर्माण तथा कथित भूमि लेन-देन की जांच महत्वपूर्ण हो गई है। यदि भूमि सरकारी तालाब अथवा ग्रामसभा की श्रेणी में दर्ज है, तो उस पर कब्जे या निर्माण से जुड़े आरोपों की जांच राजस्व एवं संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा किए जाने की जरूरत है।

फिलहाल, पूरे मामले में राजस्व अभिलेखों, पूर्व आदेशों और मौके की स्थिति का मिलान कर निष्पक्ष जांच किए जाने की मांग उठ रही है। जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि भूमि की वास्तविक प्रकृति क्या है और उस पर किए गए कथित कब्जे अथवा निर्माण की वैधानिक स्थिति क्या है।

विनोद तावड़े के कार्य कुशलता से यूपी में भाजपा लगाएगी जीत की हैट्रिक: कृपाशंकर सिंह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी ने महाराष्ट्र के वरिष्ठ नेता और संगठनात्मक क्षमता के लिए पहचाने जाने वाले विनोद तावड़े को उत्तर प्रदेश का प्रभारी नियुक्त किया है। प्रदेश में भाजपा आगामी चुनावों में जीत की हैट्रिक लगाने की दिशा में आगे बढ़ेगी। यह बात जौनपुर लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी एवं महाराष्ट्र सरकार के पूर्व गृहराज्यमंत्री कृपाशंकर सिंह ने कही।

श्रीसिंह ने शुक्रवार को दिल्ली स्थित विनोद तावड़े के आवास पर उनसे मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच उत्तर प्रदेश में पार्टी संगठन को और मजबूत करने तथा आगामी राजनीतिक चुनौतियों को लेकर चर्चा हुई। मुलाकात के बाद कृपाशंकर सिंह ने कहा कि विनोद तावड़े पार्टी के भरोसेमंद और कुशल संगठनकर्ताओं में से एक हैं। उन्हें उत्तर प्रदेश जैसे महत्वपूर्ण राज्य की जिम्मेदारी दिया जाना पार्टी की रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। पिछले करीब दो वर्षों से अनौपचारिक रूप से उत्तर प्रदेश में भाजपा के संगठनात्मक कामकाज से जुड़े रहे हैं। इस दौरान उन्होंने प्रदेश संगठन की गतिविधियों को नजदीक से समझा और पार्टी कार्यकर्ताओं तथा पदाधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित किया। अब उन्हें आधिकारिक तौर पर प्रदेश प्रभारी की जिम्मेदारी मिलने से संगठन को और मजबूती मिलने की उम्मीद है।आगे कहा कि बिहार एवं हरियाणा में भाजपा के संगठन को मजबूत करने में विनोद तावड़े ने अपनी संगठनात्मक क्षमता का प्रभावी प्रदर्शन किया है। उनके अनुभव और रणनीतिक कौशल को देखते हुए पार्टी नेतृत्व ने अब उन्हें उत्तर प्रदेश की जिम्मेदारी सौंपी है। उत्तर प्रदेश भाजपा के लिए बेहद महत्वपूर्ण राज्य है और यहां पार्टी के संगठन को मजबूत करने के साथ-साथ सरकार तथा संगठन के बीच बेहतर समन्वय की भी आवश्यकता है। वे प्रदेश भाजपा के संगठन चुनाव में केंद्रीय पर्यवेक्षक की भूमिका निभा चुके हैं। श्री सिंह ने विश्वास जताया कि विनोद तावड़े के अनुभव, कार्यकर्ताओं से संवाद की क्षमता और संगठनात्मक रणनीति का लाभ उत्तर प्रदेश भाजपा को मिलेगा। उनके नेतृत्व में पार्टी बूथ स्तर तक संगठन को और मजबूत करेगी तथा कार्यकर्ताओं को चुनावी तैयारियों के लिए सक्रिय किया जाएगा। भाजपा का लक्ष्य केवल चुनाव जीतना नहीं, बल्कि संगठन को निरंतर मजबूत करते हुए जनता के बीच अपनी पहुंच बढ़ाना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में हुए विकास कार्यों को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच व्यापक उत्साह है। उत्तर प्रदेश में पार्टी को ऐसा प्रभारी मिला है, जो संगठन की बारीकियों को समझते हैं और कार्यकर्ताओं के साथ संवाद स्थापित करने में माहिर हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि तावड़े के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में भाजपा अपने प्रदर्शन को और बेहतर करेगी तथा प्रदेश में जीत की हैट्रिक लगाने के लक्ष्य को हासिल करेगी।

उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय का 50 बिन्दुओं पर स्थलीय निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। महानिदेशक, चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण, उत्तर प्रदेश के निर्देशों के अनुपालन में उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर का 50-बिन्दुओं की चेकलिस्ट के आधार पर स्थलीय निरीक्षण दिनांक 20.08.2026 को सम्पन्न हुआ। निरीक्षण हेतु डा० सुनील कुमार आर्य, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, एनेस्थीसिया विभाग, राजकीय मेडिकल कालेज, गोरखपुर तथा डा० अमित सिंह, प्रधानाचार्य, स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, चन्दौली नामित थे।

निरीक्षण के दौरान पाया गया कि महाविद्यालय एवं चिकित्सालय में 247 आकस्मिक चिकित्सा सेवाएँ, आवश्यक औषधियों तथा जीवनरक्षक उपकरणों की उपलब्धता है। इमरजेंसी में मॉनीटर, वेंटिलेटर सहित आवश्यक उपकरण क्रियाशील पाए गए तथा मरीजों के लिए ट्रायज एवं रेड, येलो एवं ग्रीन जोन की व्यवस्था उपलब्ध है।

महाविद्यालय के 15-बेडेड आईसीयू को आवश्यक उपकरण एवं अन्य संसाधनों से सुसज्जित किया गया है। हालांकि, वर्तमान में फायर एनओसी उपलब्ध न होने के कारण आईसीयू का संचालन नहीं किया जा रहा है। फायर एनओसी प्राप्त होने के उपरान्त आईसीयू को संचालित किया जाना प्रस्तावित है।

ऑक्सीजन की उपलब्धता के लिए 1000 छढट क्षमता का ढरअ प्लांट तथा 20 ङ्ख का छटड टैंक क्रियाशील पाया गया। साथ ही पर्याप्त संख्या में ऑक्सीजन एवं अन्य गैस सिलेंडर उपलब्ध पाए गए।

निरीक्षण के दौरान चिकित्सालय की स्वच्छता व्यवस्था, पेयजल व्यवस्था, शौचालयों, स्ट्रेचर एवं व्हीलचेयर की उपलब्धता तथा दिव्यांगजन हेतु रैम्प एवं शौचालय की व्यवस्था संतोषजनक पायी गयी।

शैक्षणिक क्षेत्र में केन्द्रीय पुस्तकालय में 4,127 पुस्तकें एवं 45 जर्नल्स उपलब्ध पाए गए। छात्रावासों में पेयजल, भोजन, साफ-सफाई एवं सुरक्षा की व्यवस्था का भी निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण टीम द्वारा निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, जलापूर्ति, विद्युत, सीवर एवं भवनों की छतों पर जल-जमाव से संबंधित बिन्दुओं पर यू0पी0आर0एन0एन0 से कार्यों को सम्पूर्ण कराने के लिए निर्देशित किया गया साथ ही सभी निर्माण कार्य पूर्ण कर फायर एनओसी सहित चिकित्सा महाविद्यालय को हस्तगत किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया गया, जिससे महाविद्यालय पूर्ण क्षमता के साथ संचालित हो सके।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रधानाचार्य प्रो0 (डा0) आर0बी0 कमल, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रो0 (डा0) ए0ए0 जाफरी, वित्त नियंत्रक श्री अतुल चौधरी, प्रो0 उमेश सरोज, प्रो0 साधना अजय, डा0 विनोद कुमार, डा0 मुदित चौहान, डा0 जितेन्द्र कुमार, डा0 अरविन्द पेटल, डा0 आदर्श यादव,डा0 सरिता पाण्डेय, डा0 पूजा पाठक,डा0 अर्चना चौधरी डा0 अचल सिंह, डा0 चन्दभान, डा0 रोहित सरोज, डा0 पंकज कुमार, डा0 जयन्त शर्मा, डा0 संदीप सिंह एवं अन्य चिकित्सा शिक्षक उपस्थित रहें।

11 हजार वोल्ट के तार की चपेट में आए 12 वर्षीय बालक की हालत नाजुक, आर्थिक मदद की मांग

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। 11 हजार वोल्ट के हाईटेंशन तार की चपेट में आने से गंभीर रूप से झुलसे 12 वर्षीय किशन कुमार पुत्र राकेश, निवासी पूरनपुर, पोस्ट कोसैला की हालत नाजुक बनी हुई है। परिजनों के अनुसार हादसे के बाद इलाज के दौरान संक्रमण बढ़ने पर चिकित्सकों की सलाह से बालक के दोनों पैर काटने पड़े।

बताया गया कि 14 जुलाई 2026 को लटके हुए हाईटेंशन तार की चपेट में आने से किशन गंभीर रूप से झुलस गया था। घटना के बाद ग्रामीणों ने विद्युत विभाग के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया था। परिजनों का कहना है कि उस समय उपजिलाधिकारी केराकत की ओर से पांच लाख रुपये की सहायता दिलाने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन अभी तक सहायता राशि नहीं मिल सकी है।

लंबे इलाज के चलते परिवार की

आर्थिक स्थिति बेहद खराब हो गई है। इसी को लेकर आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के जिला प्रभारी रत्नेश कुमार ने उपजिलाधिकारी केराकत को पत्र देकर पीड़ित परिवार को तत्काल आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने और इलाज में हुए खर्च की भरपाई कराने की मांग की है।

पत्र में दुर्घटना की जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई किए जाने तथा बालक के भविष्य और भरण-पोषण के लिए कृषि भूमि उपलब्ध कराने की मांग भी की गई है। पीड़ित परिवार ने प्रशासन से मामले में तत्काल हस्तक्षेप कर आर्थिक मदद उपलब्ध कराने और न्याय दिलाने की गुहार लगाई है।

गंभीर रोगियों के इलाज के लिए मिले 19.12 लाख

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गंभीर बीमारियों से जूझ रहे जौनपुर के नौ मरीजों को मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से उपचार के लिए आर्थिक सहायता स्वीकृत हुई है। राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार खेल एवं युवा कल्याण गिरीश चंद्र यादव के प्रयास से मरीजों को यह सहायता उपलब्ध कराई गई है। सहायता मिलने से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को महंगे इलाज में बड़ी राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से सुनील कुमार पाल निवासी सिद्दीकपुर को बीएचयू के इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में उपचार के लिए 2.50 लाख रुपये, डब्लू निवासी तारापुर को होमी भाभा कैंसर हॉस्पिटल के लिए 2.50 लाख रुपये की सहायता स्वीकृत हुई है।

इसी तरह विनय कुमार सिंह निवासी ताहिरपुर को केजीएमयू लखनऊ के लिए 1.67 लाख 500 रुपये, दूधनाथ निवासी सैदपुर गडउर को एपेक्स सुपर स्पेशलिटी हेल्थ केयर के लिए 2.50 लाख रुपये, श्याम जी निवासी नदियापार को बीएचयू के कैंसर सेंटर के लिए 75 हजार रुपये तथा पप्पू निवासी मंडी नसीब खां और आशीष जायसवाल निवासी उर्दू बाजार को एपेक्स सुपर स्पेशलिटी हेल्थ केयर में उपचार के लिए 2.50-2.50 लाख रुपये की सहायता मंजूर हुई है।

राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव के प्रयास से मिली सहायता

इसके अलावा संगीता कुमारी निवासी पचोखर को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में उपचार के लिए 1.20 लाख रुपये और आजाद निवासी तारापुर को बीएचयू के कैंसर सेंटर में उपचार के लिए 2.50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। इस प्रकार नौ लाभार्थियों के उपचार के लिए कुल 19 लाख 12 हजार 500 रुपये की सहायता स्वीकृत हुई है।

राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव ने कहा कि गंभीर बीमारी से पीड़ित जरूरतमंद लोगों को बेहतर इलाज दिलाना सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष के माध्यम से जरूरतमंद परिवारों को उपचार के लिए हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। मरीजों के परिजनों ने आर्थिक सहायता स्वीकृत कराने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव के प्रति आभार जताया। परिजनों ने कहा कि महंगे इलाज के बीच मिली इस सहायता से उन्हें बड़ी राहत मिली है और उपचार जारी रखने में मदद मिलेगी।

प्रो.राकेश कुमार सिंह बने पूर्वांचल विश्वविद्यालय के नए कुलपति

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, के नए कुलपति के रूप में प्रो. राकेश कुमार सिंह की नियुक्ति की गई है। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय की कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने विश्वविद्यालय अधिनियम, 1973 की धारा-12(1) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उनकी नियुक्ति की है। कुलाधिपति की ओर से जारी आदेश के अनुसार प्रो. राकेश कुमार सिंह वर्तमान में इंदिरा गांधी दिल्ली महिला तकनीकी विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं। उन्हें कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से तीन वर्ष की अवधि के लिए वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय का कुलपति नियुक्त किया गया है। प्रो. राकेश कुमार सिंह के कुलपति नियुक्त होने की खबर से विश्वविद्यालय परिवार में नई उम्मीद जगी है। अब उनके कार्यभार ग्रहण करने के बाद विश्वविद्यालय की शैक्षणिक एवं प्रशासनिक गतिविधियों को नई दिशा मिलने की उम्मीद है।

नौकरी नहीं, उद्यमिता और उत्पादन की ओर बढ़ें युवा: प्रो.अजय द्विवेदी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में विश्व उद्यमिता दिवस पर स्वावलंबी भारत अभियान के अंतर्गत संगोष्ठी आयोजित हुई। मुख्य अतिथि स्वदेशी जागरण मंच के प्रांत शोध प्रमुख प्रो. अजय द्विवेदी ने युवाओं से नौकरी की मानसिकता से आगे बढ़कर उद्यमी और रोजगार सृजक बनने का आह्वान किया।

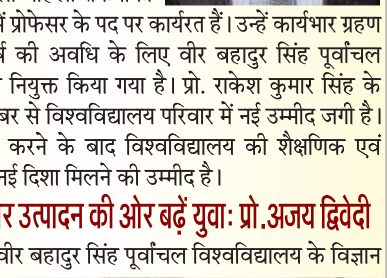

उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी प्राप्त करना नहीं, बल्कि युवाओं को स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनाना होना चाहिए। स्पष्ट लक्ष्य और नवाचार के माध्यम से युवा स्वयं का उद्यम स्थापित कर दूसरों को भी रोजगार दे सकते हैं। अध्यक्षता करते हुए अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद यादव ने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं को उद्यमिता की दिशा में प्रेरित करते हैं। विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो. प्रदीप कुमार ने स्वदेशी तकनीक और नवाचार को सफलता का आधार बताया। प्रबंध अध्ययन संकायाध्यक्ष प्रो. अविनाश पाथर्डीकर ने कहा कि हर विचार में संभावनाएं होती हैं, जरूरत उसे व्यवहारिक रूप देने की है। स्वदेशी जागरण मंच के प्रांत सह युवा प्रमुख उद्देश्य सिंह ने कहा कि भारत को केवल बड़ा बाजार नहीं, बल्कि विश्व का प्रमुख उत्पादन केंद्र बनाना होगा। इसके लिए उत्पादन के साथ प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन, तकनीक और वैश्विक बाजार तक पहुंच पर ध्यान देना जरूरी है। संचालन डॉ. मनोज पांडेय ने किया। इस अवसर पर सह संयोजक आदित्य जायसवाल, आलोक, दिव्यांशु सहित शिक्षक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

लेखपाल पर पट्टे के नाम पर रकम लेने का आरोप, ग्रामीण काट रहे तहसील से जिला कार्यालय तक के चक्कर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुंगराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के रामपुर गांव में हल्का लेखपाल अवधेश गुप्ता पर ग्रामीणों से पट्टा कराने के नाम पर रुपये लेने के आरोप सामने आए हैं।

ग्रामीणों का आरोप है कि लेखपाल ने कई लोगों से जमीन का आवासीय पट्टा कराने के नाम पर रकम ली, लेकिन लंबे समय बीतने के बाद भी न तो पट्टा कराया गया और न ही कथित रूप से ली गई धनराशि वापस की गई। न्याय की मांग को लेकर ग्रामीण तहसील से लेकर जिला कार्यालय तक चक्कर काटने को मजबूर हैं।

इसी क्रम में गांव निवासी तुफानी बनवासी ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया कि आवासीय पट्टा कराने के नाम पर लेखपाल ने उससे कई बार में कुल 25 हजार रुपये लिए। तुफानी का कहना है कि रकम दिए करीब छह वर्ष बीत चुके हैं, लेकिन आज तक उसे न जमीन मिली और न ही उसकी रकम वापस की गई।

पट्टा के नाम पर रकम ठगाने के बाद, छह साल से न्याय की आस में ग्रामीण

पीड़ित के मुताबिक, रुपये वापस मांगने पर कथित रूप से टालमटोल की जाती है। उसने बताया कि इस मामले में पूर्व में 3 अगस्त 2026 को भी जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र दिया था, लेकिन अभी तक कार्रवाई नहीं हुई। पीड़ित ने जिलाधिकारी से मामले की जांच कराकर दोषी पाए जाने पर लेखपाल के खिलाफ विधिक कार्रवाई करने और उसकी धनराशि वापस दिलाने की मांग की है।

ग्रामीणों का कहना है कि यदि आरोप सही हैं तो पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि पीड़ितों को न्याय मिल सके।

हालांकि, लेखपाल अवधेश गुप्ता पर लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। मामले में प्रशासनिक जांच और संबंधित पक्षों के बयान के बाद ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

अकीदत से मनाया गया हजरत हम्जा चिश्ती र अ का सालाना उर्स

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर के पचहटियां स्थित विशेषरपुर दरगाह पर हजरत हम्जा चिश्ती र.अ का 551वां सालाना उर्स ए मुबारक बड़ी अक़ीदत के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत सुबह 6 बजे गुस्ल-ए-मजार से हुई। दरगाह कमेटी के अध्यक्ष शमशेर कुरैशी और कन्वीनर अरशद कुरैशी ने मजार पर चादर चढ़ाई। सुबह 9 बजे कुरआन ख्वानी हुई। इसके बाद जलसा ए सिरातुन्नबी स.अ. व में मौलाना कयामुद्दीन ने सीरत को अपनाने की बात कही। मौलाना नसीम रजा जौनपुरी ने नात पेश की।

जोहर की नमाज के बाद भव्य लंगर का आयोजन किया गया जिसमें सभी जायरीन को मुफ्त भोजन कराया गया। शाम 4 बजे सेंट पैट्रिक स्कूल के सामने से जुलूस-ए-चादर निकाला गया। जिसमें फन ए सिपहगरी के अखाड़े भी शामिल हुए। सायं 7 बजे कौमी यकजहती कॉन्फ्रेंस का आयोजन दरगाह प्रांगण में किया गया जहाँ ओबैदा शिराजी अध्यक्ष मरकजी सीरत कमेटी की अध्यक्षता में किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में डॉ.सरफराज खान चेयरमैन प्रतिनिधि नगर पंचायत जफराबाद एवं मुख्य वक्ता के तौर पर संजीव यादव एडवोकेट मुख्य ट्रस्टी श्री गणपति पूजा महासमिति उपस्थित रहे। जहां संयोजक अरशद कुरैशी ने सभी अतिथियों का साफा व गुलपोशी करके स्वागत किया। कार्यक्रम में मुख्य ट्रस्टी संजीव यादव ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में एकता और भाईचारा बढ़ाते हैं। मुख्य अतिथि ने कहा कि बड़ी संख्या में जायरीनों की मौजूदगी बुजुर्गों के प्रति श्रद्धा को दशार्ती है। अध्यक्षता कर रहे ओबैदा शिराजी ने कहा कि बुजुर्गों वालियों ने सदैव एकता भाईचारा और इंसानियत का पाठ पढ़ाया आज आवश्यकता है कि हम उनके बताए हुए मार्गों पर चलें।

रात्रि 9 बजे महफिल-ए-समां में पगड़ीबंद कव्वालों ने अपनी प्रस्तुति दी। दरगाह कमेटी के कनवीनर अरशद कुरैशी ने सभी मेहमानों और जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया। उर्स के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस और महिला कांस्टेबल तैनात रहे। कार्यक्रम का कुशल संचालन अजवद कासमी ने किया। इस अवसर पर मरकजी सीरत कमेटी के कन्वीनर फिरोज अहमद पप्पू, हाजी नेहाल अंसारी, सद्दाम हुसैन, शकील मंसूरी, जिलानी खान, रफीक मंसूरी, इम्तियाज अहमद रज्जु, अमजद अंसारी, आजम के के आर, साजिद अलीम, दानिश इकबाल समेत बड़ी संख्या में जायरीन व अक़ीदत मन्द उपस्थित रहे।

दुआ, मातम और नौहाख्वानी से गमगीन हुआ माहौल

◆ फैसल हसन तबरेज की मां की मजलिस सम्पन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष फैसल हसन तबरेज की मां मरहूमा गुलजार फात्मा बिन्ते सैय्यद इकबाल हुसैन रिजवी, मरहूम अहलिया जनाब शमशीर हसन की मजलिस-ए-तरहीम गुरुवार शाम इमामबाड़ा मीर शखावत हुसैन, पोस्तीखाना, ख्वाजा दोस्त में अकीदत व एहतराम के साथ सम्पन्न हुई। मजलिस में बड़ी संख्या में लोगों ने शिरकत कर मरहूमा के लिए इसाले सवाब और दुआ-ए-मगफिरत की तथा शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना जताई।

मजलिस की शुरूआत सोजख्वानी से हुई। पेशख्वानी एहतेशाम जौनपुरी और हसरत जौनपुरी ने की, निजामत के फरायज को अंजाम दिया मोअज्जिन-ए-अजा सैय्यद गौहर अली जैदी ने।

इसके बाद इमाम-ए-जुमा जौनपुर आली जनाब मौलाना महफूजुल हसन खान साहब ने मजलिस को खिताब फरमाया। उन्होंने मरहूमा की मगफिरत और उनके दर्जात की बुलंदी के लिए दुआ की। मजलिस के दौरान माहौल गमगीन रहा और अजादारों ने मरहूमा को खिराज-ए-अकीदत पेश किया।

मजलिस के खत्म होने के बाद मशहूर अंजुमन सज्जादिया रजिस्टर्ड, मुफ्ती मोहल्ला की ओर से नौहाख्वानी व सीनाजनी पेश की गई। इस दौरान अकीदतमंदों की आंखें नम रहीं और मरहूमा के लिए दुआ-ए-मगफिरत की गई।

मजलिस में डॉ. दिलगीर हसन,हसन जाहिद खान बाबू,पत्रकार सैय्यद मेंहदी हुसैन रिजवी सामिन,पत्रकार अब्बास,पत्रकार हसनैन कमर दीपू,पूर्व सभासद शाहिद मेंहदी,राशिद रन्नोवाले,समेत अन्य लोग मौजूद रहे। आयोजन के माध्यम से लोगों से मरहूमा के लिए इसाले सवाब और परिवार के प्रति ताजियत व संवेदना व्यक्त करने की अपील की गई।

जौनपुर: 50 हजार की कथित घूस के लिए पांच ट्रकों का रजिस्ट्रेशन रोका

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। एआरटीओ कार्यालय में कथित घूसखोरी को लेकर शुक्रवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब एक वाहन मालिक ने रजिस्ट्रेशन नहीं होने से नाराज होकर अपने पांच ट्रकों को एआरटीओ कार्यालय के सामने ही लाकर खड़ा कर दिया। एक साथ पांच ट्रकों के सड़क पर खड़े होने से मार्ग पर जाम की स्थिति पैदा हो गई और कार्यालय परिसर में भी अफरा-तफरी मच गई। वाहन मालिक ने रजिस्ट्रेशन बाबू पर 50 हजार रुपये रिश्वत मांगने का गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि घूस नहीं देने के कारण पिछले एक सप्ताह से उसके ट्रकों का रजिस्ट्रेशन जानबूझकर लटकाया जा रहा है।

वाहन मालिक मडियाहूं कस्बे के निवासी विनय सिंह का आरोप है कि उसने अपने पांचों ट्रकों के रजिस्ट्रेशन के लिए नियमानुसार आवेदन और जरूरी दस्तावेज जमा कर दिए थे। इसके बावजूद करीब एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया पूरी नहीं की गई। आरोप है कि कार्यालय में तैनात रजिस्ट्रेशन बाबू गणेशदत्त द्वारा कथित तौर पर प्रत्येक काम को आगे बढ़ाने के लिए 50 हजार रुपये की मांग की जा रही थी। वाहन मालिक का कहना है कि रिश्वत देने से इनकार करने पर उसकी फाइल को लगातार टाल दिया गया।

घूस के आरोप से गरमाया एआरटीओ कार्यालय:

◆ एआरटीओ कार्यालय के बाहर ट्रक खड़े कर मालिक ने मचाया हड़कंप

मामला उस समय और दिलचस्प हो गया, जब शिकायतकर्ता अपने पांचों ट्रकों को लेकर सीधे एआरटीओ कार्यालय के सामने पहुंच गया। ट्रकों को सड़क पर खड़ा किए जाने से देखते ही देखते जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई। मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई और कार्यालय में भी इसकी चर्चा तेज हो गई।

खास बात यह रही कि जिस रजिस्ट्रेशन बाबू गणेशदत्त पर रिश्वत मांगने का आरोप लगाया गया, वह मौके पर मौजूद नहीं थे। इसके साथ ही एआरटीओ भी कार्यालय में मौजूद नहीं मिले। ऐसे में शिकायतकर्ता के आरोपों को लेकर अधिकारियों की ओर से तत्काल मौके पर कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिल सका।

आरआई ने दी सफाई–बाबू हाईकोर्ट, साहब लखनऊ गए: मामले में जब आरआई से जानकारी ली गई तो उन्होंने बताया कि संबंधित बाबू गणेशदत्त हाईकोर्ट गए हैं, जबकि एआरटीओ साहब लखनऊ गए हुए हैं। हालांकि, वाहन मालिक द्वारा लगाए गए रिश्वत के आरोपों की वास्तविकता क्या है, यह जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

मामला बढ़ा तो दूसरे बाबू को सौंपी गई फाइल: पांच ट्रकों को कार्यालय के सामने खड़ा किए जाने और जाम लगने के बाद विभाग में हलचल बढ़ गई। मामला तूल पकड़ता देख आनन-फानन में वाहन मालिक की रजिस्ट्रेशन संबंधी फाइल दूसरे बाबू को सौंप दी गई। इसके बाद रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया आगे बढ़ाने की कवायद शुरू हुई।

अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि दस्तावेज पूरे थे और रजिस्ट्रेशन नियमानुसार किया जाना था तो आखिर एक सप्ताह तक फाइल क्यों अटकी रही? वहीं, वाहन मालिक द्वारा लगाए गए 50 हजार रुपये की कथित रिश्वत मांगने के आरोप की जांच कौन करेगा और दोषी पाए जाने पर क्या कार्रवाई होगी, यह भी देखने वाली बात होगी।

फिलहाल एआरटीओ कार्यालय के सामने पांच ट्रकों को खड़ा कर दिए जाने की घटना ने विभागीय कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। वाहन मालिक के आरोपों की निष्पक्ष जांच होने पर ही पूरे मामले की सच्चाई सामने आ सकेगी।

कोतवाली में हुई शहर शांति समिति की बैठक, त्योहारों को लेकर बनी रणनीति

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आगामी त्योहार यौम-उन-नबी और रक्षाबंधन को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से कोतवाली परिसर में शहर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सिटी मजिस्ट्रेट महिपाल सिंह ने की। बैठक में शहर की विभिन्न अंजुमनों, अखाड़ों तथा मरकजी सीरत कमेटी के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने भाग लिया। इस दौरान त्योहारों के दौरान आपसी सौहार्द, शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने को लेकर आवश्यक बिंदुओं पर चर्चा की गई। बैठक में मरकजी सीरत कमेटी के सदर ओबैदा शिराजी, अंसार खान, इम्तियाज रज्जु, सद्दाम हुसैन, रियाजुल हक सहित अन्य लोग मौजूद रहे। प्रशासन की ओर से नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी धर्मराज राम, कोतवाल अनीता सिंह और क्षेत्राधिकारी नगर गोल्डी गुप्ता समेत अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने सभी लोगों से आगामी त्योहारों को आपसी भाईचारे और सौहार्द के साथ मनाने तथा किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न देने की अपील की। बैठक में त्योहारों के दौरान आवश्यक व्यवस्थाओं और सुरक्षा को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया।

गुस्से में घर से निकला करण उर्फ कृष्ण कुछ ही घंटों में सकुशल बरामद, चौकी प्रभारी मनोज कुमार सिंह की तत्परता से परिजनों को मिली राहत

वाराणसी (उत्तरशक्ति) । जनपद के थाना भेलूपुर अंतर्गत खोजवा चौकी क्षेत्र में घर से गुस्से में निकले करण उर्फ कृष्ण पुत्र शनी कुमार, निवासी सुंदरपुर बटुवापुर, वाराणसी के लापता होने की सूचना पर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई की। सूचना मिलते ही खोजवा चौकी प्रभारी मनोज कुमार सिंह ने मामले को गंभीरता से लेते हुए टीम के साथ युवक की तलाश शुरू कराई। पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए विभिन्न स्थानों पर खोजबीन की और लगातार प्रयास के बाद मात्र कुछ ही घंटों में करण उर्फ कृष्ण को सकुशल खोज लिया। पुलिस द्वारा युवक को सुरक्षित उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। युवक के सकुशल मिलने पर परिजनों ने राहत की सांस ली और पुलिस की त्वरित कार्रवाई एवं मानवीय संवेदनशीलता की सराहना की। चौकी प्रभारी मनोज कुमार सिंह की तत्परता ने एक बार फिर पुलिस की सक्रियता और जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता को सामने रखा। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्रवासियों में भी विश्वास बढ़ा है कि किसी भी आपात स्थिति में पुलिस तत्काल सहायता के लिए तत्पर है।

वाराणसी में फिर बढ़ने लगा गंगा का जलस्तर, शीतला मंदिर में घुसा पानी, लगभग सभी घाट डूबे!

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में गंगा का जलस्तर फिर बढ़ने लगा है। गुरुवार की सुबह जलस्तर स्थिर था, लेकिन शाम को बढ़ने लगा। जलस्तर में वृद्धि का स्तर शुक्रवार को भी जारी रहा। केंद्रीय जल आयोग की रिपोर्ट के अनुसार सुबह 8 बजे 68.74 मीटर रिकॉर्ड किया गया, जो चेतावनी बिंदु से मात्र 1.52 मीटर नीचे है। गंगा का जलस्तर बढ़ने के बाद घाटों का आपसी संपर्क टूट गया है। एनडीआरएफ और जल पुलिस की टीम लगातार निगरानी कर रही है। पिछले दिनों गंगा के जलस्तर में तेजी से वृद्धि हो रही थी। गुरुवार की सुबह जलस्तर स्थिर हो गया। इसके बाद तटवर्ती इलाके के लोगों ने राहत की सांस ली। हालांकि शाम के वक्त जलस्तर में डेढ़ सेंटीमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से वृद्धि शुरू हो गई। शुक्रवार की सुबह दो सेंटीमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से वृद्धि रिकॉर्ड की गई। गंगा का जलस्तर 68.74 मीटर पर पहुंच गया। वाराणसी में गंगा में चेतावनी बिंदु 70.262 मीटर और खतरे का बिंदु 71.262 मीटर है।

गंगा के जलस्तर में वृद्धि को देखते हुए प्रशासन अलर्ट है। पुलिस आयुक्त और जिलाधिकारी ने गुरुवार को बोट से गंगा में भ्रमण किया। गंगा के जलस्तर में वृद्धि के साथ ही वरूणा नदी में भी पलट प्रवाह हो रहा है। इससे आसपास के इलाकों में पानी घुसने लगा है। अधिकारियों ने पूरे इलाके का जायजा लिया और अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए।

मानस प्रयास सेवा संस्था द्वारा गोस्वामी तुलसीदास जयंती उत्सव का आयोजन

ठाणे (उत्तरशक्ति)। ठाणे पश्चिम स्वर्गीय गंगूबाई शिंदे हाल में मानस प्रयास सेवा संस्था द्वारा पूज्यपद गोस्वामी तुलसीदास जी के जयंती का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गोस्वामी तुलसीदास प्रतिमा पूजन, सुंदरकांड, भजन संध्या, संक्षिप्त संभाषण एवं विभूति सत्कार ,महा आरती महाप्रसाद का आयोजन भी संपन्न हुआ। इस अवसर पर इस्कॉन मंदिर खारघर के उपाध्यक्ष अद्वैत चैतन्य जी महाराज, संदीप लेले भाजपा ठाणे शहर अध्यक्ष ,संजय उपाध्याय विधायक बोरीवली विधानसभा ,गुलाबचंद दुबे शिवसेना नेता, राजकुमार मिश्रा परिवहन सभापति, डीएन मिश्रा शिवसेना पनवेल शहर प्रमुखों का लोगों का तुलसी मानस पंचतत्व अवार्ड से विभिन्न विभूतियों को सम्मानित किया गया। इनके अतिरिक्त परमिंदर पांडे ,महावीर भाजपा नेता, श्रीकांत दुबे वरिष्ठ समाजसेवी ,कपिल मिश्रा, वशिष्ठ नारायण मिश्रा , समाजसेवी रतन मिश्रा,आलोक पांडे ,उदय पांडे, भोलागिरी ,सुरेंद्र पांडे सहित कई प्रमुख लोगों ने उपस्थित होकर गोस्वामी तुलसीदास जी को पुष्पांजलि अर्पित की ।कार्यक्रम को अच्छे ढंग से सफल बनाने में संस्था के संरक्षक पंकज मिश्रा एवं अरविंद गिरी का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम के अंत में संस्था के अध्यक्ष कमलेश मिश्रा एवं महासचिव अरुण शुक्ला ने आए हुए सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

कचनरवा बाजार में खुलेआम मांस-मछली की बिक्री से नाराजगी, कार्रवाई की मांग

कोन/सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। ओबरा तहसील क्षेत्र के कोन थाना अंतर्गत कचनरवा मुख्य बाजार में सड़क किनारे खुलेआम मुर्गा, मछली और मांस की बिक्री को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी है। ग्रामीणों का आरोप है कि मुख्य बाजार, अस्पताल रोड, बागेसोती मार्ग और कोन-विंढमगंज मार्ग पर कई दुकानदार सड़क तक कब्जा कर मांस-मछली की बिक्री कर रहे हैं, जिससे राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार शिकायत और समाचार प्रकाशित होने के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। आरोप है कि कार्रवाई के नाम पर केवल खानापूर्ति किए जाने से विक्रेताओं के हौसले बढ़ते जा रहे हैं। कुछ लोगों ने मीट विक्रेताओं पर कथित तौर पर धमकी देने के आरोप भी लगाए हैं।

ग्रामीणों के अनुसार कुछ माह पूर्व खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने छापेमारी कर दो दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई की थी, लेकिन इसके बाद दोबारा सड़क किनारे खुले में मांस और मछली की बिक्री शुरू हो गई। लोगों का आरोप है कि सड़क किनारे ही मुर्गों का वध और मांस की कटाई किए जाने से गंदगी और दुर्गंध की समस्या बनी रहती है। राहगीरों पर खून और गंदे पानी के छींटे पड़ने की शिकायत भी सामने आई है। इससे आसपास के लोगों में संक्रमण और बीमारी फैलने की आशंका बनी हुई है। स्थानीय लोगों ने बाजार की कुछ मिठाई एवं नाश्ते की दुकानों पर भी खाद्य गुणवत्ता और स्वच्छता मानकों की अनदेखी का आरोप लगाया है। उन्होंने खाद्य सुरक्षा विभाग से पूरे बाजार का व्यापक निरीक्षण कर नियमों का उल्लंघन करने वाले दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि कचनरवा बाजार से आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोग आवागमन करते हैं। ग्राम पंचायत कुड़वा के पांडुचट्टान स्थित पांडु नदी से जल लेकर श्रद्धालु इसी मार्ग से रोरवा शिव मंदिर की ओर जाते हैं। ऐसे में सड़क किनारे खुले में मांस की बिक्री और अतिक्रमण को लेकर लोगों में नाराजगी है। डीएम से कार्रवाई की गुहार स्थानीय निवासी गंगा यादव, राजेंद्र, प्रदीप, सूबेदार, बिहारी, सुनील, राजेश, सूर्यबली, बिफई समेत अन्य लोगों ने जिलाधिकारी एवं जिला प्रशासन से कचनरवा बाजार को अतिक्रमण मुक्त कराने, सड़क किनारे खुले में मांस की बिक्री पर रोक लगाने तथा बिना वैध अनुमति और निर्धारित मानकों के संचालित दुकानों की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की मांग की है। पक्ष जानने का प्रयास इस संबंध में जिला खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के संबंधित अधिकारी से मोबाइल फोन पर कई बार संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन संपर्क नहीं हो सका। अब देखना है कि प्रशासन शिकायतों को गंभीरता से लेकर मौके पर जांच और प्रभावी कार्रवाई करता है या मामला फिर ठंडे बस्ते में चला जाता है।

राम अवध यादव इंटर कॉलेज ने निकाली भव्य तिरंगा यात्रा

उतरौला/बलरामपुर(उत्तरशक्ति)। स्वतंत्रता दिवस एवं ह्वहर घर तिरंगा अभियान के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से तहसील उतरौला क्षेत्र के राम अवध यादव इंटर कॉलेज, रेण्डवालिया पेहर, उतरौला-मनकापुर रोड से भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। तिरंगा यात्रा में विद्यालय के छात्र-छात्राओं, शिक्षक-शिक्षिकाओं सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों एवं गणमान्य लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। हाथों में तिरंगा लेकर पैदल निकले लोगों ने देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता, अखंडता और भाईचारे का संदेश दिया। यात्रा पेहर बाजार सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से होकर गुजरी।

भ्रमण के दौरान बलरामपुर सदर विधायक पल्टू राम भी यात्रा में शामिल हुए। कार्यक्रम में विद्यालय के संरक्षक एवं शिक्षा जगत से जुड़े आज्ञाराम यादव, शिक्षक-शिक्षिकाएं, सागर चौहान ज्वेलर्स के प्रबंधक, संतोष यादव, प्रभु दयाल यादव, धर्मपाल मौर्य, राम सुरेश यादव, भगवत शरण पांडेय, पत्रकार मोहित श्रीवास्तव सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान राम अवध यादव इंटर कॉलेज परिसर में ध्वजारोहण किया गया तथा राष्ट्रगान हुआ। उपस्थित लोगों ने देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीर शहीदों को श्रद्धापूर्वक नमन किया। इसके बाद उपस्थित लोगों के लिए जलपान की व्यवस्था की गई। कार्यक्रम में लोगों ने उत्साह और उमंग के साथ भाग लेते हुए हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया। आयोजकों ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों का उद्देश्य नई पीढ़ी में देशभक्ति की भावना को मजबूत करना तथा देश की एकता, अखंडता और भाईचारे का संदेश जन-जन तक पहुंचाना है।

बड़ागांव में जुलूसे अमारी के दौरान मानव सेवा चैरिटेबल ट्रस्ट ने लगाया नि:शुल्क मेडिकल शिविर

बड़ागांव, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुहर्रम-उल-हराम के अवसर पर बड़ागांव क्षेत्र में ऐतिहासिक जुलूसे अमारी शुक्रवार को सुबह चार बजे से सात बजे तक परंपरागत अकीदत और शान-ओ-शौकत के साथ निकाला गया। कर्बला के शहीदों की याद में निकाले गए जुलूस में बड़ी संख्या में अजादार शामिल हुए। जुलूस में शामिल जायरीनों की सेवा के लिए मानव सेवा चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से मार्ग पर निःशुल्क मेडिकल सबील एवं स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया। शिविर में सैकड़ों लोगों का ब्लड प्रेशर, शुगर और सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जरूरतमंदों को निःशुल्क दवाएं भी उपलब्ध कराई गईं। ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं संस्थापक हुसैन हैदर ने बताया कि शिविर का उद्देश्य जुलूस में शामिल जायरीनों को तत्काल स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना था। चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों ने पूरे आयोजन के दौरान अपनी सेवाएं दीं।

शिविर में डॉ. राम दुलार, डॉ. तय्यब अंसारी, डॉ. संतोष, डॉ. जीवन श्री, डॉ. सत्य प्रकाश, डॉ. शहनशाह, डॉ. विवेक कुमार तथा डॉ. विशाल सहित अन्य चिकित्सकों ने सहयोग किया और मरीजों की जांच कर आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराईं। सेवा कार्य में ट्रस्ट के मोहम्मद नईम सिराजी, मोहम्मद लारेब खान, सय्यद सकलेन, मोहम्मद फजल, मोहम्मद मेराज खान सिराजी, शबीह हैदर, मोहम्मद हसनैन भान्दवी और धर्मेंद्र कुमार समेत अन्य पदाधिकारियों एवं सहयोगियों ने व्यवस्थाएं संभालीं। कार्यक्रम के समापन पर मानव सेवा चैरिटेबल ट्रस्ट ने जुलूस कमेटी, सभी जायरीनों, चिकित्सकों, सहयोगियों और शांति व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने वाले पुलिस प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

ट्रस्ट के संस्थापक एवं प्रबंधक हुसैन हैदर ने कहा कि ह्वसेवा ही सबसे बड़ी इबादत है।ह्व उन्होंने कहा कि संस्था भविष्य में भी स्वास्थ्य, शिक्षा, रक्तदान, आर्थिक सहायता और अन्य जनकल्याणकारी कार्यों के माध्यम से समाज की सेवा करती रहेगी। मानव सेवा चैरिटेबल ट्रस्ट पिछले कई वर्षों से स्वास्थ्य जांच शिविर, रक्तदान, जरूरतमंदों की आर्थिक सहायता और निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन सहित विभिन्न सामाजिक एवं जनकल्याणकारी कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा रहा है।

मजिस्ट्रेट के निरीक्षण में खुली महुली के सरकारी विद्यालय की पोल, शौचालय गंदे, पंखे बंद, बोर्ड टूटा, पेयजल स्थल पर टोटी तक नहीं

सुशील कुमार तिवारी

दुद्धी/महुली, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। उच्च प्राथमिक विद्यालय महुली में 20 अगस्त को मजिस्ट्रेट के निरीक्षण के दौरान विद्यालय की व्यवस्थाओं की पोल खुल गई। निरीक्षण में शौचालयों में गंदगी, कई कक्षाओं में बंद पंखे, टूटा हुआ बोर्ड और पेयजल स्थल पर टोटी तक न होने जैसी कमियां सामने आईं। स्मार्ट क्लास की व्यवस्था भी संतोषजनक नहीं मिली। निरीक्षण के दौरान शौचालयों में साफ-सफाई का अभाव पाया गया। कई कक्षाओं में पंखे बंद होने से गर्मी और उमस के बीच बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होने की स्थिति सामने आई। वहीं एक कक्षा में लगा लाइन वाला बोर्ड टूटा मिला। विद्यालय परिसर में बच्चों के लिए बनाए गए पेयजल स्थल पर

टोटी नहीं होने की बात भी सामने आई। इससे विद्यार्थियों को पेयजल उपलब्ध कराने की व्यवस्था पर सवाल खड़े हुए हैं। स्मार्ट क्लास की स्थिति भी अपेक्षा के अनुरूप नहीं बताई गई। आधुनिक शिक्षा के लिए उपलब्ध कराए गए संसाधनों का प्रभावी इस्तेमाल नहीं होने पर बच्चों को तकनीकी शिक्षा का पूरा लाभ नहीं मिल पाने की चिंता जताई गई। विद्यालय के प्रधानाध्यापक बृजेश गुप्ता ने निरीक्षण के दौरान सामने आई कमियों को जल्द दूर कराने का भरोसा दिया। उन्होंने साफ-सफाई, मरम्मत और अन्य व्यवस्थाओं को शीघ्र दुरुस्त कराने की बात कही। मजिस्ट्रेट के निरीक्षण के बाद अब संबंधित विभाग की कार्रवाई पर क्षेत्रवासियों और अभिभावकों की निगाहें टिकी हैं। लोगों ने विद्यालय में स्वच्छता, पेयजल, बिजली-पंखे और शिक्षण संसाधनों की व्यवस्था तत्काल दुरुस्त कराने की मांग की है।

इंदौर में पार्षद कुणाल सोलंकी कीचड़ में बैठकर रहवासियों के साथ किया किया प्रदर्शन

-प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर(उत्तरशक्ति)। इंदौर के वार्ड 75 स्थित भावना नगर-पालदा नाका क्षेत्र में सड़क की बदहाली से परेशान पार्षद और रहवासियों ने नगर निगम के खिलाफ अनोखा प्रदर्शन किया। सड़क निर्माण नहीं होने से नाराज पार्षद कुणाल सोलंकी रहवासियों के साथ सड़क पर जमा कीचड़ में ही बैठ गए और धरना दिया। उन्होंने जल्द सड़क निर्माण पूरा कराने की मांग की।

रहवासियों का कहना है कि यह सड़क लंबे समय से खराब है। बारिश होते ही पूरा रास्ता कीचड़ में तब्दील हो जाता है। इससे पैदल राहगीरों के साथ दोपहिया वाहन चालकों को भी परेशानी होती है। कई बार शिकायत करने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया।पार्षद कुणाल सोलंकी ने कहा कि जब तक सड़क की समस्या का निराकरण नहीं होगा, तब तक धरना जारी रहेगा। उन्होंने नगर निगम कमिश्नर और एडिशनल कमिश्नर से मुलाकात कर समस्या का समाधान करने की मांग की है। उन्होंने बताया कि सड़क का काम करीब चार साल पहले शुरू हुआ था, लेकिन अब तक पूरा नहीं हो सका है। यह सड़क वार्ड 75 और 77 के बीच आती है। अधूरे निर्माण के कारण आसपास के रहवासियों को लंबे समय से परेशानी उठानी पड़ रही है। बारिश के दौरान इंदौर के कई इलाकों में खराब और अधूरी सड़कों के कारण लोगों की परेशानी बढ़ गई है। जगह-जगह गड्ढों में पानी भरने और कीचड़ होने से वाहन चालकों के साथ पैदल चलने वालों को भी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। रहवासी कई स्थानों पर सड़क निर्माण और मरम्मत की मांग कर चुके हैं।

डीएम के औचक निरीक्षण में खुली परिषदीय विद्यालयों की व्यवस्था

हरदीपुर में प्रधानाध्यापक अनुपस्थित मिलीं, वेतन रोकने व स्पष्टीकरण के निर्देश; पाल्हामऊ में भी शिक्षिका गैरहाजिर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। परिषदीय विद्यालयों में शिक्षा व्यवस्था, अनुशासन एवं मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन. ने करंजाकला क्षेत्र के विभिन्न परिषदीय विद्यालयों और आंगनवाड़ी केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पठन-पाठन, छात्र उपस्थिति, मध्याह्न भोजन, साफ-सफाई और विद्युत व्यवस्था की स्थिति का जायजा लिया गया। उच्च प्राथमिक विद्यालय हरदीपुर में प्रधानाध्यापक सकीना खातून बिना पूर्व सूचना के अनुपस्थित मिलीं। इस पर जिलाधिकारी ने उनका वेतन रोकने और स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश दिए। मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता की जांच के दौरान चावल का नमूना लिया गया। साथ ही विद्यालय की रसोई में गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने विद्यालय में खराब पड़े कंप्यूटर को क्रियाशील कराने और दीक्षा ऐप का नियमित उपयोग सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने शिक्षकों को बच्चों की शिक्षा के साथ-साथ उनकी नियमित उपस्थिति और शैक्षिक स्तर पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। प्राथमिक विद्यालय हरदीपुर में निरीक्षण के दौरान अधिकांश बच्चे बिना यूनिफॉर्म के पाए गए। जिलाधिकारी ने विद्यालय की व्यवस्थाओं में सुधार के निर्देश दिए। वहीं प्राथमिक विद्यालय पाल्हामऊ में शिक्षिका कुसुम द्विवेदी अनुपस्थित मिलीं। जिलाधिकारी ने बच्चों से बातचीत कर उनके शैक्षिक स्तर की जानकारी ली और शिक्षण व्यवस्था को बेहतर बनाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान विद्यालयों और आंगनवाड़ी केंद्रों में साफ-सफाई, पेयजल, विद्युत एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की भी जांच की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को कमियों को शीघ्र दूर कराने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। विद्यालयों में मिली कमियों को दूर कराते हुए व्यवस्थाओं में लगातार सुधार सुनिश्चित किया जाए। अधिकारियों को विद्यालयों की नियमित निगरानी करने के भी निर्देश दिए गए।

राजकीय शिक्षकों के 4 प्रतिशत स्थानांतरण कोटा लागू करने की मांग

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। राजकीय शिक्षक संघ उत्तर प्रदेश के प्रांतीय महामंत्री एवं उत्तर प्रदेश राज्य कर्मचारी महासंघ के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार अवाक ने प्रदेश की शिक्षा राज्यमंत्री गुलाब देवी से राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत प्रवक्ता एवं सहायक अध्यापकों के स्थानांतरण की प्रक्रिया शुरू करने की मांग की है।

डॉ. अशोक कुमार ने उत्तर प्रदेश शासन द्वारा जारी स्थानांतरण नीति सत्र 2026-27 के कॉलम 04(५) का हवाला देते हुए कहा कि प्रशासनिक आधार एवं जनहित के तहत राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत प्रवक्ता और सहायक अध्यापकों के 4 प्रतिशत तक स्थानांतरण का प्रावधान है। संगठन ने इस प्रावधान को लागू करने की मांग की है। उन्होंने बताया कि 9 अगस्त 2026 को संगठन की ओर से आयोजित प्रादेशिक वर्चुअल बैठक में शिक्षकों की समस्याओं पर चर्चा के बाद स्थानांतरण प्रक्रिया शुरू कराने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया था। प्रदेश महामंत्री के अनुसार प्रदेश के अनेक राजकीय शिक्षक विभिन्न पारिवारिक और स्वास्थ्य संबंधी परिस्थितियों के बावजूद दूरस्थ जनपदों में सेवाएं दे रहे हैं। कई शिक्षक पति-पत्नी अलग-अलग जनपदों में कार्यरत हैं। वहीं, अनेक शिक्षकों के वृद्ध माता-पिता अथवा सास-ससुर अस्वस्थ हैं। कुछ शिक्षक स्वयं गंभीर बीमारियों से जूझ रहे हैं, जबकि कई शिक्षिकाएं छोटे बच्चों और परिवार से दूर रहकर अपनी सेवाएं दे रही हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी परिस्थितियों में प्रशासनिक आधार एवं जनहित के तहत स्थानांतरण की प्रक्रिया शुरू करना न्यायोचित होगा। संगठन के पास प्रदेशभर से शिक्षक लगातार अपनी समस्याएं रखते हुए स्थानांतरण की मांग कर रहे हैं। संगठन ने शासन से 4 प्रतिशत विभागीय कोटे के अंतर्गत प्रवक्ता एवं सहायक अध्यापकों के स्थानांतरण की प्रक्रिया तत्काल शुरू करने तथा विषम पारिवारिक, चिकित्सकीय और अन्य परिस्थितियों के आधार पर पहले से आवेदन करने वाले शिक्षकों के प्रकरणों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार कर स्थानांतरण सूची जारी करने की मांग की है।

मुंबई के ताज कला दीर्घा में कला संवाद की 4वीं एक-दिवसीय समूह कला प्रदर्शनी में 23 कलाकारों की कलाकृतियों का प्रदर्शन

-जगदीश पी. पुरोहित

मुंबई। कला संवाद की 4वीं एक-दिवसीय समूह कला प्रदर्शनी का आयोजन 21 अगस्त 2026 को प्रतिष्ठित ताज कला दीर्घा, द ताज महल पैलेस, मुंबई में किया गया। प्रदर्शनी में 23 कलाकारों ने भाग लिया और चित्रकला, सुलेख, मूर्तिकला, समकालीन कला तथा अन्य रचनात्मक माध्यमों में अपनी कलात्मक अभिव्यक्तियाँ प्रस्तुत कीं।

प्रदर्शनी का आयोजन राजकुमार शर्मा (संस्थापक, कला संवाद) द्वारा किया गया। नंदकिशोर थोरात (ललित कला में स्नातकोत्तर) ने कला-परिरक्षक के रूप में प्रदर्शनी की कलात्मक दिशा निर्धारित की। हर्षित आर. शर्मा ने संकल्पना एवं रचनात्मक रूपरेखा तैयार की, जबकि जगदीश पी. पुरोहित ने कार्यक्रम का संचालन किया।

प्रदर्शनी का औपचारिक उद्घाटन मुख्य अतिथि महामहिम अलेक्जेंडर मात्सुकोव (मुंबई में बेलारूस गणराज्य के महावाणिज्यदूत) ने विशिष्ट अतिथि डॉ. विजय जी. कलांत्री (अध्यक्ष, वर्ल्ड ट्रेड सेंटर मुंबई, अध्यक्ष, एआईएआई, मानद महावाणिज्यदूत, उज्बेकिस्तान) की गरिमामयी उपस्थिति में किया।

इस अवसर पर सरकार, प्रशासन, कला, शिक्षा, उद्योग और सांस्कृतिक क्षेत्र की अनेक प्रतिष्ठित हस्तियाँ उपस्थित रहीं। इनमें पद्मश्री प्रेमजीत बरिया (प्रख्यात कलाकार, दीव), आदि एच. जहांगीर (अध्यक्ष, जहांगीर कला दीर्घा, मुंबई), देवेश माथुर (मुख्य परिचालन अधिकारी, एचएसबीसी बांग्लादेश), आईआरएस राजेश धाबरे (सीमा शुल्क आयुक्त -मद्रास एवं मुंबई, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार), आईआरएस प्रशांत पाटिल (अतिरिक्त निदेशक, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार), प्रो. जी. जी. वाघमारे (पूर्व निदेशक, कला संचालनालय, महाराष्ट्र सरकार) प्रमुख रूप से शामिल रहे। अन्य विशिष्ट अतिथियों में डॉ. उत्तम वी. जैन (सदस्य, केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड, मुंबई), जगदीश पी. पुरोहित (अध्यक्ष, इंडिया प्रेस, मुंबई), तथा प्रो. हेमंत सामंत (प्रख्यात पत्रकार एवं अनुवादक) सहित अन्य आमंत्रित अतिथि उपस्थित रहे।

फोटो: मुकेश मेहरा

प्रदर्शनी में पद्मश्री प्रेमजीत बरिया (प्रख्यात कलाकार, दीव), पद्मश्री अच्युत पालव (प्रख्यात भारतीय सुलेख कलाकार), डॉ. वैशाली डोंगरी (दर्शनशास्त्र में शोध उपाधि), देबोलिना साहा (शोधार्थी), नंदकिशोर थोरात (ललित कला में स्नातकोत्तर), यशिका धाबरे (ललित कला में स्नातकोत्तर, मैरीलैंड इंस्टीट्यूट कॉलेज ऑफ आर्ट, अमेरिका), माधवी जोशी (ललित कला में स्नातक), नंदा पाठक (ललित कला में स्नातक), सुशील एन. घुम्बरे (काका) (ललित कला में स्नातक), गणेश ए. होनमुखे (ललित कला में स्नातक), बंसु शाह सोमपुरा (मूर्तिकला में डिप्लोमा), काशिश राज चंद्रा (चित्रकला में डिप्लोमा), रीना एम. शाह (वाणिज्य में स्नातकोत्तर), रीना जैन खटेड (वाणिज्य में स्नातकोत्तर), हर्षा (व्यवसाय प्रबंधन एवं सूचना प्रौद्योगिकी), सपना केडिया (वाणिज्य में स्नातक), नीतु लखन सिंह (वाणिज्य में स्नातक), रिया (ललित कला एवं लेखिका), मरियम अस्सी (कला में शासकीय डिप्लोमा), प्रवीणचंद्र सरवाड़े (सिविल अभियंता), दुर्वा छाबड़िया (प्रौद्योगिकी में स्नातक), प्रदीप जे. राणे (हस्तशिल्प कलाकार) तथा खत्री बशीरहेमदा (स्वशिक्षित कलाकार) ने अपनी कलाकृतियाँ प्रदर्शित कीं। प्रदर्शनी में कला संग्राहकों, उद्योग जगत के प्रतिनिधियों, पेशेवरों, सांस्कृतिक हस्तियों और कला प्रेमियों की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही। आयोजन ने सार्थक संवाद, नए संपर्क और कलात्मक आदान-प्रदान के अवसर प्रदान किए तथा समकालीन भारतीय कला की विविधता और रचनात्मक ऊर्जा को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। कला संवाद की 4वीं प्रदर्शनी कलाकार प्रोत्साहन, कलाकार पहचान निर्माण, व्यावसायिक संपर्क और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के प्रति उसकी निरंतर प्रतिबद्धता का परिचायक रही। इस आयोजन ने कलाकारों को अपनी कला प्रस्तुत करने, अपनी पहचान मजबूत करने, नए दर्शकों से जुड़ने और विकास के नए अवसर तलाशने के लिए एक गरिमापूर्ण मंच प्रदान किया तथा मुंबई के जीवंत कला परिदृश्य में सार्थक सहभागिता को और मजबूत किया।

इनोवेशन किसानों के प्रति हमारा वादा : संजय छाबड़ा

बेगूसराय। डीसीएम श्रीराम लिमिटेड के प्रभाग श्रीराम फार्म सोल्यूशन्स ने पटना, बिहार में नए दौर के फसल सुरक्षा, हाइब्रिड सीड और वैजीटेबल सीड प्रोडक्ट्स लॉन्च किए। कार्यक्रम में क्षेत्र के प्रमुख चैनल पार्टनर शामिल हुए। हाइब्रिड सीड्स सेगमेंट में कंपनी ने श्रीराम 9662 लॉन्च किया है। यह रबी मक्का का हाइब्रिड है, जो जल्दी बुवाई के समय शानदार परिणाम देता है और इसके दाने आकर्षक सुनहरे-पीले रंग के होते हैं। पतली डंठल और कटाई के समय दानों में कम नमी होने की वजह से किसानों को बेहतर गुणवत्ता के दाने मिलते हैं और कटाई के बाद का प्रबन्धन भी आसान हो जाता है।

पंजाब नेशनल बैंक और भारतीय सेना ने सेना के जवानों को पीएनबी लग्जरा और पीएनबी पराक्रम क्रेडिट कार्ड देने के लिए खास पार्टनरशिप की

मुंबई। पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी), सार्वजनिक क्षेत्र में भारत के अग्रणी बैंकों में से एक, ने भारतीय सेना के साथ पीएनबी लग्जरा क्रेडिट कार्ड और पीएनबी पराक्रम क्रेडिट कार्ड देने के लिए एक खास समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर साइन किया है। भारतीय सेना के सेवारत जवानों/जेसीओ/ओआर के लिए खास तौर पर डिजाइन किए गए ये क्रेडिट कार्ड कई तरह के फायदे, लाइफस्टाइल से जुड़े खास अधिकार और फीस में छूट देते हैं, जिससे उनकी रोजमर्रा की फाइनेंशियल और लाइफस्टाइल जरूरतों में ज्यादा वैल्यू और सुविधा मिलती है। यह पार्टनरशिप पीएनबी के आर्म्ड फोर्सेज के साथ लंबे समय से चले आ रहे जुड़ाव को और मजबूत करती है और आर्मी कम्युनिटी की बदलती जरूरतों को पूरा करने के उसके कमिटमेंट को और पक्का करती है। एमओयू हस्ताक्षर समारोह में एजी, लेफ्टिनेंट जनरल वीरेश प्रताप सिंह कौशिक, पीवीएसएम, यूवाईएसएम, वाईएसएम, एसएम, डीजी, एमपी एवं पीएस मौजूद थे; इंडियन आर्मी की तरफ से लेफ्टिनेंट जनरल राजीव पुरी, एवीएसएम, वीएसएम ने अशोक चंद्र, एमडी एवं सीईओ, मेजर जनरल दिनेश सिंह बिष्ट (रिटायर्ड), चीफ डिफेंस बैंकिंग एडवाइज़र, सुधीर दलाल, सीजीएम, और अमित कुमार सिंह, एजीएम, पीएनबी की मौजूदगी में हिस्सा लिया। एमओयू पर इंडियन आर्मी की तरफ से मेजर जनरल वीके पुरोहित, एसएम, वाईएसएम, एसएम, और पीएनबी की तरफ से दीपक कुमार, महाप्रबंधक, जनसंपर्क और क्रेडिट कार्ड डिवीजन ने इंडियन आर्मी हेडक्वार्टर, दिल्ली में साइन किए। इस पार्टनरशिप के तहत, पीएनबी अलग-अलग पर्सनल कैटेगरी के लिए डिजाइन किए गए दो एक्सक्लूसिव क्रेडिट कार्ड वेरिएंट देगा–आर्मी ऑफिसर्स के लिए पीएनबी लग्जरा मेटल क्रेडिट कार्ड और जेसीओ/ओआर पर्सनल्स के लिए पीएनबी पराक्रम क्रेडिट कार्ड। क्रेडिट कार्ड कई खास प्रिविलेज और बेनिफिट्स देते हैं, जिसमें कैंटीन स्टोर्स (सीएसडी) की खरीदारी पर 3% कैशबैक, कॉम्प्लिमेंट्री डोमेस्टिक और इंटरनेशनल लाउंज एक्सेस, जीरो फॉरेक्स मार्क-अप, मूवी टिकट (एक खरीदें, एक मुफ्त पाएं), कॉम्प्लिमेंट्री गोल्फ लेसन, और दूसरे रिवॉर्ड और लाइफस्टाइल बेनिफिट्स शामिल हैं। पीएनबी पराक्रम क्रेडिट कार्ड, ज़िम्मेदार इनोवेशन के लिए पीएनबी की प्रतिबद्धता को और दिखाता है, जिसका बायोडिग्रेडेबल कार्ड डिजाइन पर्यावरण के प्रति जागरूक विकल्प देता है। इस मौके पर पीएनबी एमडी एवं सीईओ श्री अशोक चंद्र ने कहा, पीएनबी का भारतीय सशस्त्र बलों के साथ गहरा रिश्ता है, जो आपसी विश्वास, सम्मान और देश के प्रति साझा कमिटमेंट पर बना है। पीएनबी लग्जरा और पीएनबी पराक्रम के जरिए, हम सोच-समझकर बनाए गए फाइनेंशियल सॉल्यूशन के साथ इस रिश्ते को आगे बढ़ा रहे हैं जो हमारे सशस्त्र बलों के जवानों के योगदान को पहचानते हैं और उनकी बदलती जरूरतों के हिसाब से फायदे देते हैं। यह पार्टनरशिप देश की सेवा करने वालों की सेवा करने के हमारे कमिटमेंट को भी पक्का करती है।

इस खास पार्टनरशिप के जरिए, पीएनबी भारतीय सेना के पुरुषों और महिलाओं को पहचानने और उनका सपोर्ट करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराता है।

परसाई की याद 2026 : साहित्य, संगीत और नाट्य जगत की हस्तियों का संगम आज

मुंबई। हिंदी व्यंग्य साहित्य के महान हस्ताक्षर हरिशंकर परसाई की स्मृति में ह्यपरसाई की याद 2026 कार्यक्रम का आयोजन शनिवार, 22 अगस्त 2026 को किया जा रहा है। यह आयोजन परसाई मंच द्वारा, सह-आयोजक चॉइस के सहयोग से, शाम 3.30 बजे अंधेरी पश्चिम स्थित भवन्स कॉलेज के एसपी जैन ऑडिटोरियम में आयोजित होगा। कार्यक्रम की निदेशिका अलका अग्रवाल सिग्तिया ने बताया कि इस अवसर पर व्यंग्य को नया आयाम देने वाले प्रख्यात व्यंग्यकार सरल संपत को परसाई स्मृति सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। वहीं संगीत और नाटक के क्षेत्र में अभिनव प्रयोगों के लिए विख्यात कुलदीप सिंह को परसाई विवेचना सम्मान प्रदान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में मुंबई शहर के साहित्य, संगीत, सिनेमा और कला जगत से जुड़ी अनेक गणमान्य हस्तियां शिरकत करेंगी। आयोजन की विशेषता परसाई जी की रचनाओं पर आधारित प्रस्तुतियां होंगी, जिनमें नाटक और संगीत के माध्यम से उनकी रचनात्मक दुनिया को साकार किया जाएगा। आयोजकों ने साहित्य एवं कला प्रेमियों से अपील की है कि वे इस विशेष आयोजन में अपनी उपस्थिति दर्ज कर कार्यक्रम की गरिमा और सार्थकता को और बढ़ाएं। परसाई की याद 2026 साहित्य, व्यंग्य, संगीत और रंगमंच के संगम का एक यादगार अवसर बनने जा रहा है।

उत्तर भारतीय बिहार फ्रंट का कांग्रेस प्रवेश कार्यक्रम सम्पन्न

मुंबई। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कार्यालय, तिलक भवन, परेल स्थित सभागार में उत्तर भारतीय बिहार फ्रंट की ओर से हिंदी भाषी समाज के लोगों के कांग्रेस प्रवेश के लिए एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन रानी अग्रवाल के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि के रूप में राजेंद्र पाल गौतम उपस्थित रहे। इस अवसर पर राजेंद्र पाल गौतम एवं तरुण पटेल का डॉ. सचिन सिंह, अध्यक्ष युवा ब्रिगेड, डॉ. आर. पाल, राजेश सिंह, मोहित सिंह एवं मनोज सिंह ने पुष्पगुच्छ और अंगवस्त्र भेंट कर गर्मजोशी से स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान राजेंद्र यादव ने अपने सहयोगियों के साथ कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इसके अलावा दूर-दराज से आए अनेक हिंदी भाषी लोगों ने भी कांग्रेस की विचारधारा में आस्था व्यक्त करते हुए पार्टी में प्रवेश किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि कांग्रेस पार्टी सभी वर्गों और भाषाई समुदायों को साथ लेकर चलने में विश्वास रखती है। उत्तर भारतीय एवं हिंदी भाषी समाज की भागीदारी से संगठन को और अधिक मजबूती मिलेगी। कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकताओं और नवप्रवेशित सदस्यों ने कांग्रेस की नीतियों एवं विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

7 अगस्त को सैमसंग पेश करेगा गैलेक्सी S26 सीरीज का नया स्मार्टफोन

मुंबई। गैलेक्सी र26 सीरीज ने कैमरा और एआई से जुड़े अपने नए इनोवेशन के साथ स्मार्टफोन अनुभव को नई ऊंचाई दी है। इससे यूजर्स के लिए रोजमर्रा की जिंदगी में तस्वीरें लेना, कंटेंट तैयार करना और दूसरों से जुड़े रहना आसान हुआ है। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स 27 अगस्त को 'गैलेक्सी इवेंट अगस्त 2026' आयोजित करेगा। इस दौरान कंपनी गैलेक्सी र26 सीरीज का नया डिवाइस पेश करेगी। इसे खासतौर से गैलेक्सी र26 सीरीज के कैमरा और एआई से जुड़े प्रमुख अनुभवों के साथ लेटेस्ट वन यूआई के साथ डिजाइन किया गया है। कंपनी ने इसे यूजर्स की उन जरूरतों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया है, जो उनके लिए सबसे ज्यादा मायने रखती हैं। गैलेक्सी इवेंट को 27 अगस्त को रात 9 बजे KST यानी भारतीय समयानुसार शाम 5:30 बजे से Samsung.com और सैमसंग के यूट्यूब चैनल पर लाइव स्ट्रीम किया जाएगा।

राम अवध यादव इंटर कॉलेज ने निकाली भव्य तिरंगा यात्रा

उतरौला/बलरामपुर(उत्तरशक्ति)। स्वतंत्रता दिवस एवं हर घर तिरंगा अभियान के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से तहसील उतरौला क्षेत्र के राम अवध यादव इंटर कॉलेज, रेण्डवालिया पेहर, उतरौला-मनकापुर रोड से भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। तिरंगा यात्रा में विद्यालय के छात्र-छात्राओं, शिक्षक-शिक्षिकाओं सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों एवं गणमान्य लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। हाथों में तिरंगा लेकर पैदल निकले लोगों ने देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता, अखंडता और भाईचारे का संदेश दिया। यात्रा पेहर बाजार सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से होकर गुजरी।

भ्रमण के दौरान बलरामपुर सदर विधायक पल्टू राम भी यात्रा में शामिल हुए। कार्यक्रम में विद्यालय के संरक्षक एवं शिक्षा जगत से जुड़े आज्ञाराम यादव, शिक्षक-शिक्षिकाएं, सागर चौहान ज्वेलर्स के प्रबंधक, संतोष यादव, प्रभु दयाल यादव, धर्मपाल मौर्य, राम सुरेश यादव, भगवत शरण पांडेय, पत्रकार मोहित श्रीवास्तव सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान राम अवध यादव इंटर कॉलेज परिसर में ध्वजारोहण किया गया तथा राष्ट्रगान हुआ। उपस्थित लोगों ने देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीर शहीदों को श्रद्धापूर्वक नमन किया। इसके बाद उपस्थित लोगों के लिए जलपान की व्यवस्था की गई। कार्यक्रम में लोगों ने उत्साह और उमंग के साथ भाग लेते हुए हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया। आयोजकों ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों का उद्देश्य नई पीढ़ी में देशभक्ति की भावना को मजबूत करना तथा देश की एकता, अखंडता और भाईचारे का संदेश जन-जन तक पहुंचाना है।

आईएआई द्वारा भारत में एक्चुएरियल पेशे को मजबूत करने के लिए नई पहलों की शुरूआत

मुंबई। एक्चुअरीज एक्ट, 2006 के तहत स्थापित वैधानिक निकाय 'इन्स्टिट्यूट ऑफ एक्चुअरीज ऑफ इंडिया' (IAI) ने आज 'एक्चुअरीज डे 2026' के अवसर पर एक्चुएरियल पेशे को मजबूत करने और छात्रों, पेशेवरों, उद्योग जगत, नीति निमार्ताओं और जनता के साथ अपनी सहभागिता को बढ़ाने के लिए कई नई पहलों की शुरूआत की। मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट स्थित 'कोर्टयार्ड बाय मैरियट' में आयोजित इस कार्यक्रम में वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवाएं विभाग (DFS) के अपर सचिव डॉ. देबाशीष पृष्टी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर आईएआई की अध्यक्ष श्रीमती प्रीति चंद्रशेखर, उपाध्यक्ष अनुराग रस्तोगी, आईएआई की मानद सचिव श्रीमती आशा मुरली, इंटरनेशनल एक्चुएरियल एसोसिएशन (IAA) के अध्यक्ष माइक लोम्बार्डी और कार्तिकेय कंडोई (FIAI, FIA, FCA) भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए इन्स्टिट्यूट ऑफ एक्चुअरीज ऑफ इंडिया की अध्यक्ष श्रीमती प्रीति चंद्रशेखर ने कहा, जैसे-जैसे भारत अपने सुरक्षा घेरे को विस्तृत कर रहा है और दीर्घकालिक वित्तीय व राजकोषीय स्थिरता की दिशा में आगे बढ़ रहा है, वैसे-वैसे सटीक निर्णय लेने और जन-विश्वास बनाए रखने में एक्चुएरियल विशेषज्ञता की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती जा रही है। एक्चुअरीज अर्थशास्त्र, वित्त, जनसंख्यिकी और जोखिम प्रबंधन के चौराहे पर काम करते हैं। हम उन रूपरेखाओं को आकार देते हैं जो आजीविका की रक्षा करती हैं, संस्थानों को मजबूत करती हैं और 'विकसित भारत 2047' की दिशा में भारत की यात्रा को आगे बढ़ाती हैं–क्योंकि आज की प्रगति कल की कमजोरी नहीं बननी चाहिए। यह एक ऐसा पेशा है जिसमें असीम संभावनाएं और असीमित प्रभाव निहित हैं। इन समारोहों के हिस्से के रूप में, आईएआई ने अपनी 'ब्रांड बाइबिल' (Brand Bible) लॉन्च की, जो संस्थान की पहचान, संदेश और संचार के लिए एक एकीकृत ढांचा स्थापित करती है। ब्रांड बाइबिल उन सिद्धांतों और मानकों को एक साथ लाती है जो आईएआई को सभी हितधारकों और संचार मंचों पर अपनी पहचान निरंतर और स्पष्ट रूप से प्रस्तुत करने में मार्गदर्शन करेंगे। इसके अलावा, आईएआई ने अपना 'जॉब पोर्टल' भी लॉन्च किया। यह समर्पित प्लेटफॉर्म एक्चुएरियल पेशेवरों और नई प्रतिभाओं को करियर के प्रासंगिक अवसरों से जोड़ेगा, साथ ही नियोक्ताओं और एक्चुएरियल समुदाय के बीच जुड़ाव को मजबूत करेगा। संस्थान ने 26वें ग्लोबल कॉन्फ्रेंस ऑफ एक्चुअरीज (GCA) और एक्चुएरियल ग्लोबल फोरम ऑफ एक्चुअरीज (AGFA) की भी घोषणा की। यह सम्मेलन दुनिया भर के एक्चुएरियल पेशेवरों, नीति निमार्ताओं, उद्योग जगत के नेताओं और वैश्विक विशेषज्ञों को एक साथ लाएगा, जहां वे इस पेशे और व्यापक वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र को नया आकार देने वाले उभरते रुझानों, जोखिमों और अवसरों पर चर्चा करेंगे। ये सभी पहलें भारत के विकसित होते वित्तीय और आर्थिक परिदृश्य में बीमा, पेंशन, निवेश, जोखिम प्रबंधन और अन्य क्षेत्रों में एक्चुएरियल पेशे को मजबूत करने और इसके योगदान को बढ़ाने के लिए आईएआई के निरंतर प्रयासों को दर्शाती हैं।

NEWME ने नवी मुंबई में महाराष्ट्र का पहला हाई स्ट्रीट स्टोर लॉन्च किया

मुंबई। भारत की तेजी से उभरती ओमनीचैनल फैशन-टेक ब्रांड NEWME, जो जेन जी महिलाओं के लिए फैशन उपलब्ध कराती है, ने देश के सबसे प्रभावशाली फैशन बाजारों में अपनी मौजूदगी को और मजबूत करते हुए मुंबई में अपना दूसरा स्टोर लॉन्च किया है। यह नया हाई स्ट्रीट स्टोर नवी मुंबई के बेलापुर में खोला गया है। यह लॉन्च महाराष्ट्र में NEWME का पांचवां स्टोर है। राज्य में ग्राहकों की मजबूत प्रतिक्रिया को देखते हुए कंपनी ने मुंबई में अपनी उपस्थिति को और विस्तार देने का निर्णय लिया है। हाई स्ट्रीट फॉर्मेट के माध्यम से NEWME अब अधिक से अधिक युवा उपभोक्ताओं तक अपने ट्रेंड-फर्स्ट फैशन अनुभव को पहुंचाएगी। लॉन्च के उपलक्ष्य में 22 और 23 अगस्त को ग्राहकों के लिए बाय 1 गेट 1 ऑफर उपलब्ध रहेगा। करीब 2,000 वर्गफुट में फैला यह स्टोर NEWME के डिजिटल-फर्स्ट रिटेल अनुभव को स्मार्ट इंटरैक्टिव मिरर, समर्पित सेल्फी कॉर्नर और ट्रेंड-आधारित विजुअल मर्चेंडाइजिंग के साथ प्रस्तुत करता है। यहां हर सप्ताह 500 से अधिक नए स्टाइल पेश किए जाएंगे। बेलापुर स्टोर

के खुलने के साथ ही ठएहटए के देशभर में कुल 35 स्टोर हो गए हैं और कंपनी अक्टूबर तक 50 स्टोर खोलने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। यह विस्तार कंपनी की मजबूत ओमनीचैनल रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत वह अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म के साथ-साथ ऑफलाइन स्टोर नेटवर्क का भी तेजी से विस्तार कर रही है, ताकि देशभर में जेन जी उपभोक्ताओं तक और अधिक प्रभावी ढंग से पहुंचा जा सके। मुंबई लंबे समय से भारत के फैशन और युवा संस्कृति का प्रमुख केंद्र रहा है। ऐसे में NEWME के लिए यह बाजार रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण है। महाराष्ट्र, विशेष रूप से मुंबई और पुणे में स्थित कंपनी के मौजूदा स्टोर्स को ग्राहकों से शानदार प्रतिक्रिया और अच्छी फुटफॉल मिली है, जिसने राज्य को NEWME की ऑफलाइन विकास यात्रा का एक अहम बाजार बना दिया है। नया बेलापुर स्टोर इस गति को आगे बढ़ाते हुए नवी मुंबई के तेजी से बढ़ते युवा, फैशन-प्रेमी और डिजिटल रूप से जुड़े उपभोक्ताओं तक पहुंच बनाने में मदद करेगा। इस विस्तार पर टिप्पणी करते हुए NEWME के सह-संस्थापक एवं सीईओ सुमित जसोरिया ने कहा, मुंबई हमेशा से NEWME के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार रहा है और हमारे मौजूदा स्टोर्स के शानदार प्रदर्शन ने हमें यहां अपनी मौजूदगी और मजबूत करने का विश्वास दिया है। महाराष्ट्र में अपने पांचवें और मुंबई में दूसरे स्टोर के साथ हम जेन जी महिलाओं के एक बड़े वर्ग तक पहुंच बना रहे हैं और देश के सबसे गतिशील फैशन बाजारों में अपनी स्थिति को मजबूत कर रहे हैं। 50 स्टोर के लक्ष्य की ओर बढ़ते हुए हमारा उद्देश्य केवल नए स्टोर खोलना नहीं, बल्कि एक ऐसा एकीकृत रिटेल नेटवर्क तैयार करना है जो ग्राहकों की बदलती पसंद के अनुसार तेजी से प्रतिक्रिया दे सके और उन्हें उनकी पसंद के हर माध्यम पर बेहतर अनुभव प्रदान करे।

एचपीसीएल अपने हरित संचालन के लिए सौर, एग्री-सोलर और फ्लोटिंग सोलर परियोजनाओं के माध्यम से नवीकरणीय ऊर्जा समाधानों को दे रहा है बढ़ावा

मुंबई। हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड अपने संचालन को अधिक हरित बनाने के प्रयासों के तहत और स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों की ओर संक्रमण को समर्थन देने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा पहलों को गति दे रही है। जैसे-जैसे नवीकरणीय ऊर्जा पारंपरिक सौर परियोजनाओं से आगे बढ़ रही है, एचपीसीएल अपनी नवीकरणीय ऊर्जा सहायक कंपनी HPCL Renewable and Green Energy Limited (HPRGE) के माध्यम से ऐसे अभिनव मॉडल अपना रही है, जो स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन के साथ भूमि, जल और मौजूदा बुनियादी ढांचे के कुशल उपयोग को जोड़ते हैं। एचपीसीएल के पास वर्तमान में सौर और पवन ऊर्जा परिसंपत्तियों से युक्त 253 मेगावाट का परिचालनरत नवीकरणीय ऊर्जा पोर्टफोलियो है। इसके 100.9 मेगावाट के पवन ऊर्जा पोर्टफोलियो का उपयोग कैप्टिव खपत, यूटिलिटी सप्लाई और इंडियन एनर्जी एक्सचेंज पर बिजली कारोबार के मिश्रण के माध्यम से किया जा रहा है। अपने नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र का और विस्तार करते हुए, HPRGE विभिन्न स्वरूपों में 200 MWp से अधिक क्षमता की सौर परियोजनाओं को क्रियान्वित कर रही है। इनमें ग्राउंड-माउंटेड, रूफटॉप, एग्री-सोलर और फ्लोटिंग सोलर परियोजनाएं शामिल हैं। HPRGE के विस्तार का एक प्रमुख फोकस HPCL की रिफाइनरियों, मार्केटिंग स्थानों और समूह की कंपनियों के कैप्टिव ग्रीनिंग को समर्थन देना है। दिल्ली में विकसित एग्री-सोलर परियोजना, ग्रुप नेट मीटरिंग नीति के तहत दिल्ली में HPCL के 24 रिटेल आउटलेट्स को हरित बिजली की आपूर्ति करती है। इस परियोजना में जमीन से 3.5 मीटर से अधिक की ऊंचाई पर सोलर मॉड्यूल स्थापित किए गए हैं, जिससे सौर पैनलों के नीचे कृषि गतिविधियां जारी रखने के साथ-साथ नवीकरणीय बिजली का उत्पादन भी संभव हो रहा है। यह परियोजना दर्शाती है कि नवीकरणीय ऊर्जा बुनियादी ढांचा एक साथ स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन और भूमि के उत्पादक उपयोग, दोनों को किस प्रकार बढ़ावा दे सकता है। HPRGE फ्लोटिंग सोलर परियोजनाओं के माध्यम से मौजूदा जल निकायों का भी उपयोग कर रही है। एचपीसीएल की विजाग रिफाइनरी के जलाशय में इसकी पहली फ्लोटिंग सोलर परियोजना शुरू हो चुकी है, जबकि HPCL Renewable and Green Energy Limited के पचपदरा और नाचना जलाशयों में दो अतिरिक्त फ्लोटिंग सोलर संयंत्रों का निर्माण कार्य जारी है।

काशीमीरा प्रभाग 14 में सड़क मरम्मत कार्य तेज

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड काशीमीरा प्रभाग क्रमांक 14 में 20 अगस्त से शुरू किए गए सड़क मरम्मत कार्य को अब डाचकुल पाड़ा क्षेत्र तक भी पहुंचाया गया है। शुक्रवार को डाचकुल पाड़ा परिसर में सड़क मरम्मत का कार्य शुरू किया गया। इस दौरान स्थानीय नागरिकों ने भी सड़क की स्थिति और चल रहे मरम्मत कार्य का जायजा लिया। सड़क मरम्मत कार्य का निरीक्षण करने के लिए मौके पर भाजपा नगरसेविका श्रीमती ज्योत्स्ना हसनाले ताई, भाजपा नगरसेविका श्रीमती यशोदा अनिल ताटे तथा भाजपा मंडल अध्यक्ष अनिल ताटे उपस्थित रहे। उन्होंने संबंधित कार्य का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों एवं कर्मचारियों से काम की जानकारी ली। इस अवसर पर नगरसेविकाओं और मंडल अध्यक्ष ने कहा कि प्रभाग क्रमांक 14 की सड़कों की मरम्मत का कार्य चरणबद्ध तरीके से किया जा रहा है। नागरिकों की सुविधा और यातायात को ध्यान में रखते हुए जिन स्थानों पर सड़कें खराब हैं, वहां आवश्यकतानुसार मरम्मत का काम जल्द से जल्द पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि सड़क मरम्मत के दौरान प्रशासन और संबंधित कर्मचारियों का सहयोग करें, ताकि कार्य निर्धारित समय में पूरा किया जा सके।

गणेश भक्तों को राहत की खबर, मेट्रो की फेरे बढ़ेंगे और मेगा ब्लॉक को लगेगा ब्रेक

मुंबई। गणेशोत्सव के दौरान मुंबई और उपनगरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने की संभावना को देखते हुए मुंबई मेट्रो के फेरों में बढ़ोतरी करने और रेलवे पर मेगा ब्लॉक नहीं लेने की मांग नागरिकों द्वारा की जा रही है। श्रद्धालुओं की यात्रा सुखद, सुरक्षित और बाधारहित हो, इसके लिए देर रात तक तथा आवश्यकता पड़ने पर मध्यरात्रि तक मेट्रो सेवा संचालित रखने के निर्देश मेट्रो प्रशासन को दिए गए हैं। इसके साथ ही गणेशोत्सव की अवधि में मध्य रेलवे के मुख्य, हार्बर और ट्रांस-हार्बर मार्गों पर नियमित मेगा ब्लॉक तथा रात्रिकालीन ब्लॉक नहीं लेने के निर्देश कैबिनेट मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने दिए हैं। गणेशोत्सव के दौरान मुंबई सहित उपनगरों के विभिन्न गणेश मंडलों में दर्शन के लिए नागरिक बड़ी संख्या में मेट्रो और लोकल ट्रेन का उपयोग करते हैं। इसे देखते हुए व्यस्त समय में मेट्रो की दो फेरों के बीच का अंतर यानी ह्यहेडवेह्न कम कर अधिक फेरे चलाने की योजना बनाने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही रात के

समय मेट्रो की अंतिम फेरी को देर तक संचालित रखते हुए श्रद्धालुओं के लिए विशेष फेरे उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए हैं। गणेशोत्सव के दौरान मध्य रेलवे की उपनगरीय सेवाओं पर यात्रियों का भारी दबाव पड़ने की संभावना है। दिन-रात रेलवे स्टेशनों पर बड़ी संख्या में भीड़ रहने के कारण गणेशोत्सव के प्रारंभ से अनंत चतुर्दशी तक मध्य रेलवे के मुख्य, हार्बर और ट्रांस-हार्बर मार्गों पर नियमित मेगा ब्लॉक अथवा रात्रिकालीन ब्लॉक नहीं लिया जाए, ऐसे निर्देश मंत्री लोढ़ा ने दिए हैं। भीड़ के समय और रात में गणेश दर्शन के बाद लौटने वाले श्रद्धालुओं के लिए अतिरिक्त उपनगरीय विशेष लोकल फेरे चलाए जाएं। प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर अतिरिक्त रेलवे सुरक्षा बल (RPF) तथा महाराष्ट्र सुरक्षा रक्षक तैनात कर यात्रियों की सुरक्षा के साथ-साथ भीड़ प्रबंधन की प्रभावी व्यवस्था की जाए, ऐसी सूचनाएं भी दी गई हैं। श्रद्धालुओं को टिकट निकालते समय किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए मेट्रो के सभी टिकट काउंटर, ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन (ATVM), डिजिटल तथा क्यूआर टिकट प्रणाली को मेट्रो की अंतिम फेरी तक पूरी क्षमता से कार्यरत रखने के निर्देश दिए गए हैं। मेट्रो स्टेशनों पर लिफ्ट, एस्केलेटर, पीने का पानी, शौचालय और प्राथमिक उपचार केंद्र भी सेवा उपलब्ध रहने तक चालू रखने के निर्देश दिए गए हैं। प्रमुख और भीड़भाड़ वाले मेट्रो स्टेशनों पर अतिरिक्त सुरक्षा रक्षकों के साथ क्राउड मैनेजमेंट कर्मचारियों की नियुक्ति की जाए। मेट्रो के फेरों में होने वाले बदलाव, समय-सारणी और यात्रियों के लिए आवश्यक जानकारी स्टेशन के डिस्प्ले बोर्ड, उद्घोषणा प्रणाली तथा आधिकारिक सोशल मीडिया माध्यमों के जरिए समय-समय पर प्रसारित की जाए, ऐसे निर्देश भी दिए गए हैं। महाराष्ट्र के मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने कहा कि गणेशोत्सव मुंबईकरों की आस्था और उत्साह का एक बड़ा पर्व है। इस दौरान लाखों श्रद्धालु गणेश दर्शन के लिए रेलवे, मेट्रो और सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करते हैं। इसलिए श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो और उनकी यात्रा सुरक्षित, सुचारू तथा समय पर हो, इसके लिए परिवहन व्यवस्थाओं को आपसी समन्वय के साथ काम करना आवश्यक है। भीड़ के कारण यातायात में बाधा उत्पन्न न हो, इसके लिए मेट्रो और रेलवे प्रशासन द्वारा अतिरिक्त सेवाओं, सुरक्षा व्यवस्था तथा भीड़ नियंत्रण की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए।